बजट भाषण 2020–21

परिषद के गणमान्य सदस्य,

यह मेरा विशेषाधिकार है और आगामी वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का बजट आपके सामने प्रस्तुत करना मेरे लिए गर्व की बात है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को भारत में सभी शहरी स्थानीय निकायों के बीच एक विशेष दर्जा प्राप्त है और अब इसे सेवा वितरण और परिचालन उत्कृष्टता के मामले में एक बेंचमार्क माना जाता है अब हम इस स्थिति को बढ़ाने और विश्व स्तर पर अन्य स्थानीय निकायों के बीच एक बेंचमार्क बनने का इरादा रखते हैं। यह स्वयं की चुनौतियों के साथ आता है। बढ़ते शहरीकरण और पलायन से उभरती सार्वजनिक अपेक्षाओं की चुनौतियों ने प्रमुख चुनौतियों का सामना किया। इसी समय नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् नागरिकों की संतुष्टि को बढ़ाने के लिए अपने स्वयं के सेवा स्तरों को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है।

शहरीकरण की प्रक्रिया में परिवर्तन किया जा रहा है और इसमें सतत् शहरों और समुदायों को बनाने के लिए यूएनडीपी द्वारा निर्धारित सतत् विकास लक्ष्य शामिल है। विश्व और भी लचीले शहरों की अवधारणा को आगे बढ़ा रहा है जिसमें सामाजिक–आर्थिक, पर्यावरण और संस्थागत समावेशी भविष्य के जोखिम को अवशोषित करने, पुनः प्राप्त करने और तैयार करने की क्षमता रखता है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् अपने समग्र उद्देश्यों में इन सिद्धांतों को लागू करने का इरादा रखती है और उनके लिए कार्य करना जारी रखती है।

वित्तीय स्थिरता हमारी विकास रणनीति के मूल में है जो न केवल हमारे अस्तित्व को सुनिश्चित करेगी बल्कि हमें कामयाब भी बनायगी। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् वर्षों से अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम रही है, राज्य या केंद्र सरकार से न्यूनतम सहायता लेकर इसे दूसरों द्वारा अनुसरण किए जाने का एक मॉडल बनाया गया है। हम विश्वास दिलाते हैं कि न.दि.न.परिषद् सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में पहले से ही हासिल किए गए स्तरों को बनाए रखेगा और उन्हें नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

इन शब्दों के साथ मैं अब वार्षिक बजट 2020–21 प्रस्तुत करता हूँ। मैं पहले वित्तीय अनुमान प्रस्तुत करूंगा;

बजट अनुमान (बीई) वर्ष 2020–21 की कुल प्राप्तियाँ रू० 4372.40 करोड़ है जबकि संशोधित अनुमान (आर ई) वर्ष 2019–20 में रू० 4234.59 करोड़ रखा गया है। वर्ष 2018–19 में कुल वास्तविक प्राप्तियाँ रू० 3976.32 करोड़ थी। बजट अनुमान वर्ष 2020–21 में राजस्व प्राप्तियाँ रू० 3719.65 करोड़ है जबकि वर्ष 2019–20 में संशोधित अनुमान रू० 3606.89 करोड़ है तथा वर्ष 2018–19 में वास्तविक प्राप्तियाँ रू० 3322.72 करोड़ हैं। वर्ष 2020–21 के बजट अनुमान में पूँजीगत प्राप्तियाँ रू० 652.75 करोड़ हैं जबकि वर्ष 2019–20 के संशोधित अनुमान में

रू० 627.70 करोड़ का प्रावधान किया गया है तथा वर्ष 2018–19 में वास्तविक प्राप्तियाँ रू० 653.60 करोड़ है।

वर्ष 2020–21 के बजट अनुमान के लिए कुल व्यय रू० 4017.24 करोड़ है जबकि संशोधित अनुमान वर्ष 2019–20 में 3960.20 करोड़ का प्रावधान है तथा वर्ष 2018–19 में रू० 3359.93 करोड़ की वास्तविक व्यय है। बजट अनुमान 2020–21 में राजस्व व्यय रु० 3587. 53 करोड़ है, जबकि संशोधित अनुमान में रु० 3492.14 करोड़ का प्रावधान किया गया है तथा वर्ष 2018–19 में वास्तविक 3152.07 करोड़ था। संशोधित अनुमान 2019–20 में रु० 468.06 करोड़ के विपरीत बजट अनुमान 2020–21 में रु० 429.71 का पूंजीगत व्यय का अनुमान है तथा वर्ष 2018–19 में वास्तविक रु० 207.86 करोड़ था।

अब मैं वर्ष 2019–20 के दौरान वृहद क्षेत्रों में कार्यों तथा उपलब्धियों पर प्रकाश डालूँगा तथा वर्ष 2020–21 हेतु योजनाओं तथा अनुमानों का प्रस्ताव रखूंगा।

1. स्मार्ट म्यूनिसिपल गवर्नेन्स

1.1. नगरपालिका सेवाओं तथा उनके वितरण तंत्र को नगरपालिका दक्षता के अलावा जनसाधरण की संतुष्टि के लिए स्मार्ट एप्रोच (Smart approach) से जोड़ता है। . न.दि.न.परिषद् ने समान, गैर–विवेकाधीन और पारदर्शी तरीके से नागरिक सेवाएं प्रदान करने में दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार के लिए ई–गवर्नेंस और एम–गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी इन्टरवेन्शन के माध्यम से कई आईटी–आधारित पहल की हैं। अब मैं कुछ प्रमुख पहलों की स्थिति प्रस्तुत करूंगा।

1.1.1. न.दि.न.परिषद् 311 मोबाइल ऐप के माध्यम से नगरपालिका सेवाएँ और शिकायत निवारण

न.दि.प.परिषद ने नागरिकों की शिकायतों को हल करने के लिए मोबाइल ऐप एनडीएमसी 311 लागू किया है जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। दिनांक 06.12.2019 तक, 132505 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 131350 शिकायतों (99.12 प्रतिशत) का समाधान किया गया है। इसके अलावा, 311 ऐप नागरिकों को पार्किंग, शौचालय, पार्क जैसी सेवाओं की ऑनलाइन स्थिति देखने और पास में एटीएम जैसी सुविधाओं का पता लगाने का अवसर प्रदान करता है।

1.1.2. वास्तविक समय के आधार पर सार्वजनिक शौचालयों में क्यूआर कोड आधारित प्रतिक्रिया तंत्र

सार्वजनिक शौचालय इकाइयों (पीटीयू) / सामुदायिक शौचालय इकाइयों (सीटीयू) के रखरखाव के बारे में नागरिकों की प्रतिक्रिया को इकट्ठा करने के लिए, इस तरह के पीटीयू / सीटीयू में 331 टैबलेट की स्थापना के माध्यम से फीडबैक / प्रतिक्रिया लेने के लिए एक ऑनलाइन तंत्र तैनात किया गया है। वर्ष 2019 के दौरान, इन टैबलेट के माध्यम से 19 लाख से अधिक फीडबैक /

प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। अब, न.दि.न.परिषद ने सभी पीटीयू/सीटीयू में क्यूआर प्लेट्स स्थापित की हैं, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया तैयार की जा सकती है।

1.1.3. ऑनलाइन बिल ट्रैकिंग सिस्टम

न.दि.न.परिषद् विक्रेताओं के लिए प्रसंस्करण और भुगतान में देरी को कम करने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और निगरानी और समीक्षा के प्रावधानों के साथ ठेकेदारों / विक्रेताओं आदि के बिलों को ट्रैक करने के लिए ऑनलाइन बिल ट्रैकिंग सिस्टम शुरू किया गया है और पूरी तरह कार्यात्मक है।

1.1.4. पालिका केंद्र में नेटवर्किंग

पालिका केंद्र में मौजूदा नेटवर्क को उच्च क्षमता और स्पीड नेटवर्क के साथ बदलने का प्रस्ताव किया जा रहा है जो न.दि.न.परिषद् की ऑनलाइन सेवाओं में सुधार करेगा और यह परियोजना जुलाई 2020 तक पूरी हो जाएगी। यह न.दि.न. परिषद से ई–ऑफिस को बदलने में सुविधा प्रदान करेगा।

1.1.5. वृक्ष सूचना प्रणाली का विकास

लोधी गार्डन में 100 पेड़ों की जानकारी उनके औषधीय, आध्यात्मिक, विरासत मूल्यों के आधार पर शॉर्टलिस्ट की गई है, जो ऐसे पेड़ों पर क्यूआर कोड वाले ग्रीन बोर्ड के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं ताकि आगंतुक अपने स्मार्ट फोन के माध्यम से प्रकृति की सुंदरता का पता लगा सकें। इस वित्त वर्ष में हम इस योजना के तहत 4000 और प्रकार के पेड़ों को शामिल करने जा रहे हैं।

1.1.6. शहरी सम्पत्तियों / स्थापनाओं के लिए यूनिक स्मार्ट एड्रेस

शहरी संपत्तियों / स्थापनाओं के लिए यूनिक स्मार्ट अनुक्रमिक (सीक्वेंशियल) एड्रेसिंग सॉल्यूशन मुख्य सड़क, उप सड़क / लेन, स्थलों के निर्माण और भूमि की जानकारी के साथ नई दिल्ली में प्रत्येक संपत्ति / स्थापनाओं के लिए एक अल्फा न्यूमेरिक स्मार्ट एड्रेस कोड प्रदान करता है। वे आरएफआईडी सेंसर से भी लैस हैं जो शिकायत के मामले में न.दि.न.परिषद् की सेवा प्रदान करने वाली इकाइयों को तेजी से स्थान का पता लगाने के साथ कचरा निपटान प्रक्रिया पर नज़र रखने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, न.दि.प.परिषद को बिजली, जल संपत्ति कर आदि के कारण राजस्व का पूरा ब्यौरा प्राप्त होता है और यह अपने सेवा वितरण वाहनों को ट्रैक कर सकता है। अब तक, 52822 से अधिक डिजिटल डोर नंबर बनाए गए हैं, और मार्च 2020 तक काम पूरा होने की संभावना है।

1.1.7. (ए) पालिका केंद्र भवन में नागरिक सेवाओं के डिजिटलीकरण में वृद्धि

इस पहल के तहत नागरिक सेवाओं से संबंधित सभी रिकॉर्ड जैसे कि दुकान लाइसेंस, वास्तु नक्शे और अन्य संपत्ति रिकॉर्ड को डिजिटल किया जा रहा है। इसमें लम्बी अवधि के लिए तेजी से पुनः प्राप्ति और माइक्रोफिल्म आधारित भंडारण के लिए व्यापक मेटा–डेटा का विकास शामिल है। कार्य शुरू हो गया है और अलग–अलग समय के साथ समयबद्ध चरणों में पूरा किया जाएगा।

(बी) न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में सभी नागरिक सेवाओं के लिए सिंगल साइन–ऑन (एसएसओ) का कार्यान्वयन

एसएसओ नागरिकों और न.दि.न.परिषद् कर्मचारियों दोनों को सुरक्षित तरीके से बिजली, पानी, कर, जन्म और मृत्यु, कर्मचारी जानकारी आदि जैसे विभिन्न नागरिक केंद्रित अनुप्रयोगों तक पहुंचने के लिए एक सिंगल यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग करने में सक्षम करेगा और दक्षता और उपयोग में आसानी के लिए जोड़ देगा। । जियो–फेंसिंग के माध्यम से, यह विदेशों में होने पर भी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ हो जाएगा। यह सुविधा जनवरी, 2020 में शुरू की जाएगी।

1.1.8 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) की स्थापना

सीएससी राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना के अन्तर्गत आवश्यक सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं, सामाजिक कल्याण योजनाओं, स्वास्थ्य देख रेख, वित्तीय, शिक्षा और कृषि सेवाओं के वितरण, इसके अलावा नागरिकों को सरकारी सेवाओं को प्रदान करने के लिए एक सिंगल विंडो के रूप में स्थापित किया जा रहा है, न.दि.न.परिषद् की विभिन्न सेवाएं जैसे विद्युत, पानी, सम्पत्ति कर आदि भी इन केंद्रों पर उपलब्ध हैं। इस परियोजना के अन्तर्गत, सरोजिनी नगर और मिंटो रोड में दो सीएससी पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। मैं न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए वित्त वर्ष 2020–21 में और अधिक सीएससी स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ।

1.1.9 गतिशील जीआईएस का कार्यान्वयनः

न.दि.न.परिषद् ने पहले विभिन्न सेवाओं की 168 परतों के साथ जीआईएस पोर्टल लॉन्च किया था, जो ज्यादातर स्थिर थे। अब परतों को 262 परतों तक विस्तारित किया गया है और गतिशील सुविधा को जोड़ा जा रहा है। यह न.दि.न.परिषद् उपयोगकर्ताओं को इंटरैक्टिव प्रश्नावली बनाने, स्थानिक जानकारी का विश्लेषण करने और अधिक कुशल योजना और निष्पादन के लिए परिणाम का उपयोग करने की अनुमति देगा। सूचना और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए कुछ परतों को अनुमति के रूप में सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाएगा।

1.1.10 इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली और पेरोल प्रणालीः

स्मार्ट सेवाओं को केवल एक स्मार्ट मानव संसाधन प्रणाली द्वारा दिया जा सकता है। एनआईसी द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक–ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (ई–एचआरएमएस) को न.दि.न.परिषद् में मानव संसाधन और मानव संसाधन विश्लेषण को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु योजना बनाई गई थी। ई–एचआरएमएस के लॉन्च के साथ, कर्मचारी न केवल अपने सभी विवरण जैसे सर्विस बुक, छुट्टी, जीपीएफ, वेतन आदि देख सकेंगे, बल्कि विभिन्न प्रकार के दावों / प्रतिपूर्ति, ऋण / अग्रिम, अवकाश, छुट्टी नकदीकरण एलटीसी अग्रिम, टूर आदि एक सिंगल प्लेटपफार्म पर आवेदन भी कर सकेंगे। ई–एचआरएमएस कार्मिक प्रबंधन की सभी प्रक्रियाओं को काम पर रखने से लेकर रिटायर करने तक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक मंच पर लाएगी और कार्मिक प्रबंधन की मैनुअल प्रणाली समाप्त हो जाएगी। ई–एचआरएमएस के मॉड्यूल में कार्मिक सूचना प्रणाली, अवकाश, एलटीसी, ऋण/अग्रिम, टूर, ई–सर्विस पुस्तक आदि शामिल हैं। इसे वित्त वर्ष 2020–21 में लागू किया जाएगा।

1.1.11 ई–ऑफिस का कार्यान्वयन

उत्पादकता, गुणवत्ता, संसाधन प्रबंधन में सुधार और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए पुरानी मैनुअल प्रक्रियाओं को स्मार्ट फाइल सिस्टम लीवरेजिंग तकनीक से बदलने की आवश्यकता है। ई–ऑफिस प्रणाली एक एकीकृत फ़ाइल और रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली है जो कर्मचारियों को सामग्री का प्रबंधन/ का रिकार्ड आंतरिक रूप से डेटा की खोज करने और सहयोग करने की अनुमति देती है। फ़ाइल सिस्टम इलेक्ट्रॉनिक आवाजाही और फ़ाइलों की ट्रैकिंग, और डेटा के अभिलेखीय और पुनः प्राप्ति में भी सक्षम बनाता है। प्रणाली को सुरक्षित और गोपनीय बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, नियमित कार्यों को स्वचालित करने, आवश्यक कार्यभार को संभालने में सक्षम, देरी के मामले में निगरानी कार्य और ऑटो–एस्केलेशन की सुविधा के साथ न.दि.न.परिषद् पूरी तरह से ई–ऑफिस प्रणाली में स्थानांतरित हो जायेगी और वित्त वर्ष 2020–21 की पहली तिमाही में इसे लागू किया जायेगा।

1.1.12 न.दि.न.परिषद में नई बिलिंग प्रणालीः

राजस्व सृजन सुनिश्चित करने, नागरिकों को व्यवसाय करने में आसानी प्रदान करने और शिकायतों और मुकदमों से बचने के लिए एक कुशल बिलिंग समाधान आवश्यक है। न.दि.न.परिषद ने इससे पहले वर्ष 2009 तक बिजली, पानी और एस्टेट बिलिंग के लिए विरासत बिलिंग प्रणाली को लागू किया था। इस प्रणाली को अब तकनीकी रूप से समर्थित नहीं किया जा सकता है और न.दि.न.परिषद ने एक नए खुले स्रोत आधारित बिलिंग प्रणाली के लिए प्रस्ताव दिया था। उसी के लिए अवधारणा तैयार की जा रही है और अगले साल इसे आगे ले जाया जाएगा।

1.2 कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैट–बॉट सुविधा

न.दि.न.परिषद वेबसाइट पर चैट–बॉट सुविधा नागरिकों को 24X7 उपलब्धता के साथ व्यक्तिगत रूप से अपने प्रश्नों के लिए तेजी से प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम करेगी। इसे जून, 2020 तक उपलब्ध कराया जाएगा।

1.3 आईटी एप्लिकेशन के लिए एक आपदा रिकवरी साइट की स्थापना

न.दि.न.परिषद ने कई एप्लिकेशन विकसित किए हैं जो बड़ी मात्रा में महत्वपूर्ण डेटा का मंथन करते हैं। यद्यपि स्थानीय डेटा रिकवरी तंत्र स्थापित है परन्तु नवीनतम उद्योग के मानकों के अनुसार महत्वपूर्ण व्यवसाय और डेटा सुरक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए भौगोलिक पृथक्करण के साथ एक उपयुक्त डी आर साइट स्थापित करने की आवश्यकता है। मैं वित्त वर्ष 2020–21 में इस कार्य को करने का प्रस्ताव करता हूँ।

आगामी वर्ष में, न.दि.न.परिषद सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए रू० 10.88 करोड़ की राशि का व्यय करने का प्रस्ताव करता हैं । जिसमें से रु० 7.60 करोड़ पूंजीगत कार्यों के लिए है।

2. स्मार्ट सिटी पहल

2.1. वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान, स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत कई पहलों की घोषणा की गई थी। मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि इनमें से अधिकांश परियोजनाएं अंतिम चरणों में हैं और इस वर्ष के पूरा होने या अगले वर्ष की शुरुआत में पूर्ण होने की संभावना है। हम इन पहलों पर ध्यान केंद्रित करने और अगले वित्तीय वर्ष में उनके समयबद्ध समापन को सुनिश्चित करने की योजना बना रहे हैं। अब मैं उनकी स्थिति के बारे में बताना चाहूंगा।

2.2. इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् प्रमुख कार्यालय भवन, पालिका केंद्र में इंन्टीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सेन्टर स्थापित कर रही है। कार्य मेसर्स एलएंडटी लिमिटेड को सौंपा गया है। बुनियादी ढांचा कार्य अर्थात् इलेक्ट्रिकल, सिविल और आईटी हार्डवेयर पूरे हो चुके हैं। एलईडी स्मार्ट लाइटिंग, ठोस कूड़ा प्रबन्धन, एयर क्वालिटी सेंसर, स्मार्ट पार्किंग सिस्टम, जन्म और मृत्यु, न.दि.न.परिषद् वाहनों के लिए जीपीएस और शिकायतों जैसी कुछ सेवाओं को पहले ही एकीकृत किया जा चुका है। वर्तमान में, कमांड एंड कन्ट्रोल सेन्टर के साथ बाकी सेवाओं का एकीकरण कार्य और ईआरपी मॉड्यूल के लिए सॉफ्टवेयर का विकास प्रगति पर है। इन 30 सेवाओं के एकीकरण के बाद यह सभी ऑनलाइन डेटा की उपलब्धता और स्मार्ट सेवाओं से संबंधित जानकारी का नोडल बिंदु बन जाएगा, जिसे वास्तविक समय के आधार पर मॉनिटर किया जा सकता है और आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। मार्च 2020 तक काम लाइव होने की संभावना है और यह जून 2020 तक पूरा हो जाएगा।

2.3. पब्लिक बाइक शेयरिंग और पब्लिक ई–स्कूटर शेयरिंग सिस्टम

2.3.1. सार्वजनिक बाइक शेयरिंग सिस्टम का काम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और जनसाधरण, यात्रियों और सामाजिक प्लेटफार्मों द्वारा परियोजना की बहुत प्रशंसा और स्वीकृति प्राप्त हुई है। 49 बाइक स्टेशनों की स्थापना पूरी हो गई है, जिसमें 500 बाइकें सड़कों पर तैनात हैं। 1 लाख से अधिक स्मार्ट बाइक ऐप डाउनलोड किए गए और लगभग 2 लाख सवारों ने पंजीकरण किया, जिन्होंने 6.5 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की थी।

2.3.2. सार्वजनिक प्रशंसा और बाइक शेयरिंग में भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में स्मार्ट स्कूटर प्रणाली शुरू करने जा रही है और पहला चरण जून 2020 तक पूरा हो जाएगा।

2.4. स्मार्ट सिटी पहल के अन्तर्गत, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 14 पिरामिड टाइप एम.एस. प्लांटर्स और 325 कम ऊँचाई वाले ग्रेनाइट पत्थर के बोलार्ड कम–सिटिंग को न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में उन क्षेत्रों के निवासियों और आगंतुकों को सुविधा और सौंदर्यवर्धक सुविधा को प्रदान किया गया है।

2.5. स्मार्ट बिन्स, चरण–।।

न.दि.न.परिषद ने स्मार्ट बिन्स के निर्माण की योजना बनाई है जो कमांड सेन्टर को इन बिन्स के भरने के वर्तमान स्तर का वास्तविक समय डेटा प्रदान करने और इन बिन्स के प्रबन्धन से संबंधित व्यक्तियों के मोबाइल फोन पर अलर्ट भेजने के लिए पर्याप्त स्मार्ट होगा। यह वित्तीय वर्ष 2020–21 में चालू हो जाएंगे।

2.6 डिजिटल पब्लिक आर्ट गैलरी

एक डिजिटल आर्ट गैलरी नागरिकों के बीच कला चेतना को विकसित करने और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी तरह की परियोजनाओं में से एक होगी। इससे छात्रों को विशेष लाभ होने की उम्मीद है। डिजिटल पब्लिक आर्ट गैलरी के लिए संकल्पना योजना पर कार्य चल रहा है और यह कार्य वित्तीय वर्ष 2020–21 में आरंभ किया जाएगा। एक डिजिटल गैलरी महात्मा गाँधी को समर्पित करते हुए बापू समाज सेवा केन्द्र में जो पुर्नविकसित किया जा रहा है, प्रस्तावित है।

2.7 स्मार्ट सड़कें

2.7.1 स्मार्ट सड़कें न केवल सौंदर्य की दृष्टि से विकसित होती हैं, बल्कि उनकी सुरक्षा से समझौता किए बिना उपयोगकर्ता की सुविधा और अनुभव सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। उनमें आधुनिक कियोस्क, स्ट्रीट फर्नीचर, पार्किंग की सुविधा, इलेक्ट्रिक पोल और दूसरों के बीच बैठने की जगह का प्रावधान होगा। ऐसी स्मार्ट रोड पहले से ही मिंटो रोड़ पर भू–दृश्यावली के प्रावधान, के साथ विकसित की गई है, जिसमें विद्यमान आर्च में सड़क के दोनों ओर अपलाइटर्स

सिंचाई प्रणाली ए सी पी पैनल के प्रावधान के साथ रेलवे लाईन के प्रवेश मार्ग पर जी.आर.सी ग्रील है जो उसे बेहतर रूप देती है।

2.7.2. न.दि.न.परिषद कस्तूरबा गाँधी मार्ग, बाराखंभा रोड, संसद मार्ग, जनपथ, अब्दुल कलाम रोड, बीकेएस मार्ग और मौलाना आजाद रोड को स्मार्ट सिटी योजना के तहत विकसित करेगी जिसके लिए संकल्पना योजना को मंजूरी दे दी गई है और 2020–21 में कार्य शुरू हो जाएगा। जनपथ प्लाजा की डिजाइन योजना को मंजूरी दे दी गई है और लगभग 2 करोड़ के लागत अनुमान बनाने पर कार्य चल रहा है। बाराखंभा रोड और मौलाना आजाद रोड की अवधारणा योजना अनुमोदन के चरण में हैं। इन दोनों सड़कों पर वित्तीय वर्ष 2020–21 में कार्य पूरा हो जाएगा।

2.8 एक समान न.दि.न.परिषद क्योस्क

मौजूदा क्योस्कों को सी डब्ल्यू जी 2010 के दौरान संशोधित किया गया था। न.दि.न. परिषद के स्मार्ट सिटी होने के नाते न.दि.न.परिषद क्षेत्र में एक समान क्योस्क स्मार्ट सुविधाओं के साथ समय की आवश्यकता है। आधुनिक सुविधाओं के साथ न.दि.न.परिषद कियोस्क के पुनः विकास का कार्य वित्त वर्ष 2020–21 में किया जाएगा।

2.9 स्मार्ट बस क्यू शैल्टर

न.दि.न.परिषद बस यात्रियों और आम नागरिकों को सुविधा और सुरक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ, पीपीपी मॉडल पर विभिन्न स्थानों पर पहले से ही 197 स्मार्ट बस क्यू शेल्टर बना चुकी है। पीपीपी मॉडल के अंतर्गत एटीएम, डिजिटल इंटरैक्टिव पैनल और पैनिक बटन जैसी विभिन्न सुविधाओं वाले 20 और स्थानों के लिए आरएफपी प्रक्रियाधीन है और इस कार्य को 2020–21 में निष्पादित किया जाएगा।

2.10 स्मार्ट पोल परियोजना

2.10.1 स्मार्ट पोल, न केवल प्रकाश की सुविधा प्रदान करते हैं, बल्कि वाईफाई जैसी कई सेवाओं के अभिसरण को सक्षम बनाते हैं और सार्वजनिक सुरक्षा, आईपी आधारित पीटीजेड कैमरा, सार्वजनिक क्षेत्र में मुफ्त वाईफाई, पीए प्रणाली, फाइबर नेटवर्क कनेक्टिविटी और पर्यावरण निगरानी को सेंसर इन्टेलीजेन्ट सेंसर आधारित इन्टरनेट ऑफ थिंग्स को संभव बनाते हैं। परियोजना में 5जी तैयार डेटा ट्रांसफर इन्फ्रास्ट्रक्चर भी शामिल है और न.दि.न.परिषद् के अन्तर्गत सभी स्थापनाओं जैसे स्कूल, अस्पताल आदि की आवश्यकता के लिए सिंगल बैक बोन के रूप में कार्य करता है। इस परियोजना की परिकल्पना पीपीपी मॉडल के अन्तर्गत की गई है जिसके लिए आवश्यक तैयारी कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के वित्त वर्ष 2020–21 में शुरू होने की आशा है।

2.10.2. जब तक परियोजना पूरी तरह से सम्पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक मैं उपलब्ध सेवा प्रदाताओं से न.दि.प.परिषद आवश्यकताओं के लिए समर्पित डेटा बैक बोन स्थापित

करने का प्रस्ताव करता हूं। यह स्मार्ट सेवाओं को चलाने में हमारी सभी स्थापनाओं के लिए तत्काल विश्वसनीय डेटा कनेक्टिविटी को सक्षम करेगा।

2.11 महिलाओं हेतु स्मार्ट सार्वजनिक शौचालय इकाई

दिल्ली में महिलाओं को विशेष सार्वजनिक शौचालय प्रदान करने के लिए, न.दि.न.परिषद् ने वित्तीय वर्ष 2020–21 में 10 गुलाबी स्मार्ट शौचालय बनाने के लिए अस्थायी स्थलों / स्थानों की पहचान की गई है।

2.12 सार्वजनिक स्थानों में ओपन जिम

पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर ओपन जिम को नागरिकों द्वारा लगातार सराहा गया है। 2019–20 के दौरान न.दि.प.परिषद ने 20 ओपन जिम शुरू किए हैं और 49 ओपन जिमों को चालू करने के लिए निविदा उन स्थानों पर कार्य सौंपने के चरण में है जहाँ आरडब्ल्यूए से माननीय सांसदों और विधायकों के माध्यम से अनुरोध प्राप्त हुए थे। वित्तीय वर्ष 2020–21 में उन न.दि.प.परिषद माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में, स्थापना के लिए ओपन जिम भी प्रस्तावित हैं, जहाँ उपलब्ध नहीं हैं।

2.13 मॉड्यूलर वर्षा जल संचयनः

जल संरक्षण समय की जरूरत है। चाणक्यपुरी, विनय मार्ग, डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, मोती बाग और लोदी गार्डन, बंगाली मार्केट क्षेत्र, काका नगर और तिलक मार्ग के सी2 फ्लैट्स में सीजीडब्ल्यूबी के परामर्श से 60 रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट्स हेतु परियोजना की निविदा प्रक्रिया अग्रिम चरण में है। कार्य 2020–21 में पूरा होने की संभावना है।

2.14 हैप्पीनैस एरिया का विकास

हैप्पीनैस एरिया वह सार्वजनिक स्थान है जैसे कि गोल चौराहे, पार्क और उद्यान और प्रमुख सार्वजनिक स्थल जहाँ उपयोगकर्ता के अनुभव में वृद्धि हुई है। जहाँ विंडसर प्लेस गोल चौराहों पर फाउंटेन का निर्माण पूरा हो चुका है, वहीं एम्स ग्रीन एरिया और नेहरू पार्क में कार्य प्रगति पर है। जनपथ तथा मोती लाल नेहरू मार्ग के जंक्शन पर यार्क प्लेस सर्कल का विकास जल निकायों के साथ विभिन्न स्थलों तथा विभिन्न रंगों, एलईडी सहित फव्वारों, भू–दृश्यावली, बड़े वृक्षों को ज्योर्तिमय करने का कार्य प्रक्रियाधीन है तथा वर्ष 2020–21 में पूर्ण हो जाएगा।

मैं हैप्पिनेस एरिया जैसे रोज़ गार्डन, रेल भवन, ताज मानसिंग होटल के पास के गोल चौराहों और अन्य उपयुक्त स्थानों के विकास का प्रस्ताव करता हूँ। मैं इन हैप्पीनेस एरिया स्थानीय सांस्कृतिक क्रियाकलाप केन्द्र के रूप में विकसित करने का भी प्रस्ताव करता हूँ।

2.15 विकेंद्रीकृत कम्पोस्ट गड्ढों के माध्यम से ग्रीन अपशिष्ट की वैज्ञानिक खाद

न.दि.न.परिषद् ने हरे कचरे की वैज्ञानिक खाद बनाने का फैसला किया था। 10 बड़े कम्पोस्ट गड्ढों के लिए निविदा प्रदान की जा चुकी है और पांच पहले ही पूर्ण हो चुकी हैं, वर्तमान में उद्यान विभाग द्वारा उपयोग किया जा रहा है।

3. भौतिक बुनियादी ढांचा

परिवहन, संचार, सीवेज, पानी और इलेक्ट्रिक सिस्टम जैसी बुनियादी सुविधाएं, जो किसी भी शहरी प्रणाली की रीढ़ हैं और आकार विस्तार के साथ महत्वपूर्ण हो जाती हैं। इन प्रणालियों में उच्च–लागत निवेश होती हैं और आर्थिक विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। न.दि.न.परिषद् के संदर्भ में, सिविल और बिजली के बुनियादी ढांचे का निर्माण और रखरखाव अपने नागरिकों के लिए सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए तथा इसकी बड़ी चलायमान जनसंख्या के लिए भी महत्वपूर्ण है ।

3.1 सड़कों का पुनर्सतहीकरण

3.1.1 सड़कों का पुनर्सतहीकरण एक नियमित आवश्यकता है जहां पुर्नसतहीकरण असुविधा और दुर्घटनाओं से बचने के लिए समय पर कार्य करना मूल प्रवृत्ति है। न.दि.न.परिषद् जीवन चक्र आधारित पुनर्सतहीकरण करता है और उसी के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीक को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अब मैं 2019–20 के दौरान किए गए प्रमुख पुनर्सतहीकरण कार्यों की सूची और वित्त वर्ष 2020–21 के लिए प्रस्ताव दूँगा।

3.1.2 19 सड़कों के पुनर्सतहीकरण के लिए निविदाएं स्वीकृत की गई हैं। यह कार्य वित्त वर्ष 2020–21 में पूरा हो जाएगा।

3.1.3. तेईस में से ग्यारह सड़कों के पुनर्सतहीकरण को पूरा कर लिया गया है, जिन्हें माइक्रो सरफेसिंग के माध्यम से किया जाना है और शेष को मार्च 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा।

3.1.4 एसएमए (स्टोन मैस्टिक एस्फाल्ट) के माध्यम से परिचालन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सीआरआरआई की सिफारिश के अनुसार क्यू–पॉइंट, क्लेरिज होटल, मेथी गोल और यॉर्क प्लेस में गोल चौराहो को लिया गया है। कार्य प्रगति पर है और मार्च 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।

3.1.5 सर्वेक्षण करने के बाद, पुनर्सतहीकरण के लिए सभी लेनों और उप–लेनों के लिए प्रारंभिक अनुमान तैयार किया गया है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में कार्य निष्पादित किया जाएगा।

3.1.6 सीआरआरआई के परामर्श से,एक नई तकनीक अर्थात् मिलिंग प्रक्रिया आधारित कोलतार कंक्रीट पुनःसतहीकरण को अपनाकर परिचालन गुणवत्ता में सुधार के

लिए 6 सड़कों को लिया गया है। निविदाओं को पहले ही आमंत्रित कर लिया गया है और यह कार्य वित्तीय वर्ष 2020–21 में पूर्ण हो जाएगा।

वर्ष 2020–21 में, मैं करोड़ सड़कों और फुटपाथ के लिए रू० 148.92 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव करता हूं। इसमें से रू० 33.90 करोड़ पूंजीगत व्यय की ओर और रू०115.02 करोड़ राजस्व व्यय के है।

3.2 जल आपूर्ति आधारिक संरचना

3.2.1 न.दि.न.परिषद् अपने नागरिकों को स्वच्छ पानी की 24X7 आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है और अपने सहायक बुनियादी ढांचे का लगातार उन्नयन और रखरखाव कर रही है। न.दि.न.परिषद को बेहतर प्रतिस्पर्धा और विश्वसनीय भागीदारी के लिए एकल चरण कार्यान्वयन के साथ पूरी की पूरी परियोजना को नए सिरे से करने का प्रस्ताव है।

3.2.2 वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान 10 पानी की ट्रॉलियों की खरीद की गई और उन्हें सार्वजनिक सेवा में लगा दिया गया।

3.2.3 मुख्य लाइन का स्थानांतरण और बी.के. दत्त कॉलोनी के प्रत्येक निवासी को मीटर्ड वॉटर कनैक्शन प्रदान करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और मेन लाइन की शिफ्टिंग पूरी हो गई है। इंडिविजुअल मीटर्ड वॉटर कनेक्शन देने का काम किया जा रहा है।

3.2.4 पानी की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार करने के लिए सरोजनी नगर के पिलंजी गांव में विद्यमान जल प्रणाली के बुनियादी ढांचे को बदलने का काम पूरा हो गया है और सफलतापूर्वक चल रहा है।

3.2.5 दिल्ली जल बोर्ड से न.दि.न.परिषद क्षेत्र के विभिन्न जलाशयों तक सभी इनलेट पानी की लाइनों पर 18 बल्क पानी के मीटर लगाए गए हैं और सफलतापूर्वक चल रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप पानी के बिल पर 15.53 प्रतिशत की बचत हुई है।

3.2.6 न.दि.न.परिषद 15 न.दि.न.परिषद भवनों में पीने के पानी के फव्वारे प्रदान किए गए हैं और यह प्रस्तावित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, ऐसे फव्वारे अन्य 20 स्थानों पर प्रदान किए जाएंगे, जैसे कि पालिका प्लेस, मोहन सिंह प्लेस, पालिका भवन, यशवंत प्लेस, पालिका अस्पताल/डिस्पेंसरी और अन्य चिन्हित स्थान पर विशेष रूप से "पेयजल" प्रदर्शित करते हुए।

3.2.7 5 साल के लिए पीपीपी मोड पर 40 वॉटर एटीएम लगाने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गईं, लेकिन बहुत ही निम्न प्रतिक्रिया के कारण रद्द कर दी गयी। इसलिए आरएफपी को विज्ञापन अधिकारों आदि को देखते हुए संशोधित किया जा रहा है और यह कार्य 2020–21 के दौरान पूर्ण हो जाएगा।

3.2.8 वायु प्रदूषण को कम करने के लिए मिस्ट छिड़काव कैनन मशीन का क्रय इस साल पूरा किया जाएगा। मैं वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान आवश्यकतानुसार मशीनें खरीदने का प्रस्ताव करता हूँ।

3.2.9 न.दि.न.परिषद् ने पूर्ववर्ती प्रदूषण को रोकने के लिए 7 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई है। मैं वित्तीय वर्ष 2020–21 में किराए पर दो और छोटी इलैक्ट्रिक रोड स्वीपिंग मशीनों में वृद्धि का प्रस्ताव करता हूँ।

3.2.10 मैं न.दि.न.परिषद् में आपूर्ति और वितरण को और बेहतर बनाने के लिए 2020–21 के दौरान किए जाने वाले नए कार्यों का प्रस्ताव भी रखूंगा। इनमें 300 मिमी व्यास की डीआई लाइन जोर बाग वाटर बूस्टिंग स्टेशन से प्रेजिडेन्ट एस्टेट के लिए लाइन, प्रदान करना और बिछाना, लोधी कॉलोनी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति लाइनों के प्रतिस्थापन और दोषपूर्ण सी.आई.स्लूइस वाल्व को बदलना तथा जहां भी आवश्यक हो नए स्लुइस वाल्व भी उपलब्ध कराएं जायेंगे।

वर्ष 2020–21 में, मैं जलापूर्ति प्रबन्धन के लिए रु० 152.78 करोड़ आवंटित करने का प्रस्ताव करता हूँ। इसमें से पूंजीगत व्यय के लिए रु० 8.23 करोड़ और रु० 44.55 करोड़ का राजस्व व्यय है।

3.3 सीवरेज आधारिक संरचना

3.3.1 राष्ट्र ने जल के संरक्षण के महत्व को महसूस किया है और तदनुसार सीवेज का उपचार सर्वोपरि है क्योंकि इसमें पुनः उपयोग योग्य जल उत्पादन की क्षमता है। यमुना जैसी नदियों पर भार को कम करने के लिए पानी का पुनः उपयोग और निपटान दोनों ही मांग के दृष्टिकोण से और यमुना में जल प्रदूषण को कम करने के लिए आवश्यक है। अब मैं उन कुछ पहलों की सूची प्रस्तुत करूंगा जो इन उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करेंगी।

3.3.1.1 न.दि.न.परिषद् सीवर प्रबंधन को मैनुअल इन्टरवेन्शन से मुक्त बनाने का प्रयास कर रही है और उसी के लिए नवीनतम मशीनरी प्राप्त कर रही है। हमने पहले ही रु० 1.21 करोड़ रुपये की लागत से मैनहोलों की सफाई/गाद हटाने के लिए 4 छोटे आकार की सीवर मशीनों तथा लाइनों की सफाई के लिए 29.24 करोड़ की लागत पर 2 जेटिंग कम सक्शन सीवर सफाई मशीनों को किराए पर लिया है।

3.3.1.2 सात वर्षों के लिए रु० 8.91 करोड़ की लागत पर ट्रक चेसिस पर लगे 2 प्रेशर जेटिंग मशीनों को किराए पर लेने के लिए निविदाएं अनुमोदन के अंतिम चरण में हैं और वित्तीय वर्ष 2019–20 में सौंपी जायेगी।

3.3.1.3 सीवेज उपचार के वैकल्पिक तरीकों के विकास के एक हिस्से के रूप में, न.दि.न. परिषद ने फाइटोरीड तकनीक पर आधारित एसटीपी स्थापित किए है जो संयंत्र आधारित है, लागत प्रभावी है, न्यूनतम रखरखाव लागत और बिजली की आवश्यकता और गंध मुक्त वातावरण में पानी के पुनः उपयोग/रिसाइकल की

सुविधा देता है। यह सीएसआईआर–एनईईआरआई के परामर्श से एनपी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोल मार्किट में सफलतापूर्वक चल रहा है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में, मैं स्कूलों और अन्य उपयुक्त स्थानों में ऐसी 4 और परियोजनाएँ शुरू करने का प्रस्ताव करता हूँ।

3.3.1.4 वर्ष 2019 में 12 वर्षों के लिए पीपीपी मॉडल के अन्तर्गत विकेन्द्रीकृत एसटीपी के 100 से 500 केएलडी की कुल क्षमता वाली स्थापित की गई है, जहां बागवानी उद्देश्य के लिए पानी का उपयोग करने के लिए कंसेसियनार को भुगतान करने के लिए उपचारित पानी की गुणवत्ता और मात्रा मानदंड है।

3.3.1.5 अशोक रोड से निर्वाचन सदन से सी–हैक्सागन तक 1100 और 1200 मिमी सीवर लाइन की गाद हटाना और पुनर्स्थापन का कार्य, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग पर कुशक नाला से आरविन्द मार्ग तक ईंट बैरल 1905 मिमी का कार्य 2019–20 में शुरू होने की उम्मीद है।

3.3.1.6 के.जी. मार्ग सी–हैक्सागन तथा शाहजहाँ रोड से क्यू प्वाइंट भाग–1 से सी–हैक्सागन से क्यू प्वाइंट शाहजहाँ रोड पर 84′ ईंट बैरल सीवर लाइन की गाद हटाना तथा पुनर्स्थापन का कार्य रु० 22.98 की लागत पर प्रगति पर है तथा मार्च 2020 में पूर्ण होने की आशा है।

3.3.1.7 नेहरू पार्क और संजय झील में पीपीपी मॉडल के अन्तर्गत दो टीटीपी के लिए निविदाएं आमंत्रित की गईं, लेकिन निम्न प्रतिक्रिया और अपेक्षाकृत अधिक दरों के कारण, इस योजना को बंद करना पड़ा। मैं व्यवहार्यता सर्वेक्षण करके और निविदा के उपयुक्त तरीके की जांच करके इस योजना पर पुनर्विचार करने का प्रस्ताव करता हूं।

3.3.2 सीवरेज नेटवर्क के पुनर्स्थापन के निम्नलिखित कार्य वर्ष 2020–21 के दौरान किए जाने का प्रस्ताव है।

क) ज़ाकिर हुसैन मार्ग–गोल्फ कोर्स–सुब्रमणियम भारती मार्ग के माध्यम से सी–हैक्सागन से लोधी रोड तक 2100 मिमी व्यास के ''एनपी–2'' क्लास आरसीसी पाइप पुराने सीवर ट्विन बैरल की गाद हटाना तथा पुनर्स्थापन।

ख) सत्य मार्ग से कौटिल्य मार्ग शांति पथ से क्षतिग्रस्त सीवर लाइन की जगह पाइप ठीक हो गए ;सीआईपीपीद्ध की लाइनिंग।

ग) न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में धोबी घाटों, आधारिक संरचना प्रवाह उपचार संयंत्र के निर्माण, पर ईटीपी 20 केएलडी से 70 केएलडी (5नग) स्थापित करके अतिरिक्त जल संसाधन विकसित करने के लिए हाइब्रिड वार्षिकी परियोजना।

घ) न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बुनियादी ढांचे (एसटीपी / टीटीपी का निर्माण), 50 केएलडी टीटीपी के साथ एसटीपी के 100 केएलडी से 200 केएलडी (4 नग) को स्थापित करके अतिरिक्त जल संसाधनों को विकसित करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजना।

ड.) एआरडी कॉम्प्लेक्स से पालिका भवन नेताजी नगर तक सीवर लाइन के स्थानांतरण का कार्य

वर्ष 2020–21 में, मैंने सीवरेज प्रबंधन के लिए रु०110.56 करोड़ का आवंटन करने का प्रस्ताव किया है। इसमें से रू० 16.26 करोड़ पूंजीगत व्यय की ओर और रू० 94.30 करोड़ रुपये का व्यय हैं।

3.4 सिविल आधारिक संरचना

सार्वजनिक मांग को पूरा करने, क्षमता बढ़ाने और मौजूदा क्षमताओं की उपयोगिता बढ़ाने के लिए सिविल आधारिक संरचना आवश्यक है। न.दि.न.परिषद् ने सामुदायिक और सामाजिक आवश्यकताओं और अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई संरचनाएं बनाई हैं। अब मैं 2019–20 में किए गए सिविल कार्यों की स्थिति से अवगत कराना चाहता हूं और वित्त वर्ष 2020–21 के लिए नई परियोजनाओं का प्रस्ताव करना चाहता हूं।

3.4.1 **अकबर भवन में मल्टीस्टोरी वाणिज्यिक परिसर का** कार्य 2020–21 में शुरू होने की संभावना है।

3.4.2 न.दि.न.परिषद् स्कूलों में बास्केट बॉल, वॉली बॉल और अन्य प्लेइंग कोर्ट तैयार करना

कार्य अंतिम चरण पर है और मार्च 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।

3.4.3. बाहरी विकास और यशवंत प्लेस मोमोस मार्केट, नई दिल्ली का बाह्य विकास तथा अग्रभाग का उत्थान

यशवंत प्लेस के हाई–फुटफॉल तथा विशेष स्थान को ध्यान में रखते हुए, उपयोगकर्ता के अनुरोधों के रूप में भी यहाँ स्थित न.दि.न.परिषद् मार्किट को सौन्दर्यात्मक रूप देने के लिए न.दि.न.परिषद् ने इस कार्य को किया है। इसके कार्य क्षेत्र में परिवर्तन करते हुए वित्तीय वर्ष 2020–21 में कार्य किया जाएगा।

3.4.4 एकीकृत पारगमन परिवहन अवसंरचना– शिवाजी टर्मिनल का पुनर्विकास

संशोधित विस्तृत अनुमान और एनआईटी को दो भूमिगत तल और चार ऊपरी मंजिलों के साथ तैयार किया जा रहा है। यह वित्तीय वर्ष 2020–21 में किया जाएगा।

3.4.5 **शिवाजी स्टेडियम में हॉकी टर्फ और स्प्रिंकलर सिस्टम का प्रतिस्थापन,** शिवाजी स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैचों के आयोजन स्थल के रूप में महत्व का स्थल रहा है। इसके मौजूदा टर्फ एंड स्प्रिंकलर सिस्टम की समय अवधि और गारंटी अवधि (7 वर्ष) को नवंबर 2018 में समाप्त हो गई है। इसलिए, वित्तीय वर्ष 2020–21 में मौजूदा टर्फ और स्प्रिंकलर सिस्टम को बदलने का प्रस्ताव है।

3.4.6 **लोधी कॉलोनी के स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में पुनः विकास**

इस परियोजना में लोदी रोड परिसर में मौजूद 5 स्कूलों का विकास शामिल है, जो अत्याधुनिक भवन के साथ वर्ल्ड क्लास स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के साथ, खेल सुविधाओं के लिए सामान्य बुनियादी ढांचा और 3000 से अधिक विद्यार्थियों की आवश्यकता को पूरा करेगा । प्रशासनिक अनुमोदन तथा व्यय की स्वीकृति पहले से ही 97.93 करोड़ रूपये पर उपलब्ध है और यह कार्य 2020–21 में शुरू होने की संभावना है।

3.4.7 **सभी भवनों के वर्षा जल संचयन गड्ढों का निर्माण**

न.दि.न.पा.परिषद्, भारत सरकार द्वारा पानी के संरक्षण के लिए शुरू किए गए जल शक्ति अभियान का एक हिस्सा है। भवन परिसर के साथ–साथ सड़कों के किनारे निकट अतीत में वर्षा जल संचयन प्रणाली उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा, न.दि.न.परिषद् ने 13 न.दि.न.परिषद् भवनों की पहचान की है, जहाँ छत के ऊपर वर्षा जल संचयन किया जा सकता है, जिसके लिए प्रस्ताव शुरू किया गया है। 2020–21 में कार्य पूर्ण होने की संभावना है।

3.4.8 **विभिन्न न.दि.न.परिषद् स्कूलों की पालिका जॉयफुल लाइब्रेरी की स्थापनाः**

पहल के पीछे का विचार यह है कि बच्चों को अपने संचार कौशल में सुधार करते हुए कल्पना और ज्ञान को ढूँढने के लिए एक जोशीला और आकर्षक वातावरण प्रदान करना है। उनके सौंदर्य के साथ पुस्तकालय, और पुस्तकों का समृद्ध संग्रह एक खुशहाल / आनंदपूर्ण वातावरण बनाता है जो एक नाजुक उम्र में छात्रों के बीच पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देता है। 82 चिन्हित पुस्तकालयों में से, 8 पर कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और शेष वित्त वर्ष 2020–21 में पूर्ण हो जाएगा

3.4.9 **न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में प्रयोगशालाओं का उन्नयन**

प्रयोगशालाएं हमारे स्कूलों में नवाचार और प्रयोग का स्थान हैं और हम अपने सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर और उपकरणों को उन्नत करके उनका अत्याधुनिक उन्नयन करने का इरादा रखते हैं । सिविल कार्य 2020–21 में पूरा होने की उम्मीद है।

3.4.10 **पालिका बाजार की छत पर वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट और पालिका बाजार कॉम्प्लेक्स का सुधार और उन्नयन**

वाटर प्रूफिंग कार्य के लिए निविदाएं अंतिम चरण में हैं और यह कार्य जून, 2020 तक पूरा होने की संभावना है। आगे पालिका बाजार के उन्नयन के लिए एक अनुमान प्रक्रिया में है और यह कार्य वित्तीय वर्ष 2020–21 में पूरा होने की संभावना है।

3.4.11 **विद्युत भवन कॉम्पलैक्स का सुधारः** परिषद ने भवन के कुछ नवीनीकरण के बाद विद्युत भवन कार्यालय परिसर के 3 भवनों को प्रवर्तन निदेशालय को किराए पर देने का फैसला किया है। परियोजना की प्रस्तावित पूर्ण लागत रू० 24.30 करोड़ है जो वित्त वर्ष 2020–21 में पूरा हो जाएगा।

3.4.12 **मोती बाग में कौशल विकास केंद्र, मंदिर मार्ग में जेपीएन लाइब्रेरी और इंदिरा निकेतन वर्किंग गर्ल्स हॉस्टल** में निर्माण कार्य प्रगति पर है और 2020–21 में पूरा होने की संभावना है।

3.4.13 इन्दिरा निकेतन कामकाजी महिला हॉस्टिल में अतिरिक्त ब्लॉक

कार्य में दिल्ली से बाहर की महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को ध्यान में रखते हुए और उन्हें न.दि.न.परिषद् में रहने के लिए सुरक्षित एवं वहनीय स्थान प्रदान करने के लिए अतिरिक्त ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है जोकि वित्तीय वर्ष 2020–21 में पूर्ण हो जायेगा।

3.4.14 **दिल्ली के बक्करवाला में आवास परियोजना के लिए एसटीपी का निर्माण।** रुपये 83.00 लाख की अनुमानित लागत पर बक्करवाला में आवास परियोजना के लिए एसटीपी का निर्माण करना प्रस्तावित है। वर्ष 2020–21 में कार्य पूरा होने की संभावना है।

3.4.15 **नगरपालिका कर्मचारियों के लिए आवासः**

3.4.15.1 नई दिल्ली के सराय काले खान में टाइप–।। फ्लैट्स का निर्माण। प्रारंभिक अनुमान रू० 130.00 करोड़ की राशि का तैयार किया गया है और इसे परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। कार्य 2020–21 में आरम्भ किया जाएगा ।

3.4.15.2 सेक्टर – 7, पुष्प विहार, साकेत, नई दिल्ली में टाईप–।। के 120 फ्लैटों का निर्माण (जमा कार्य) रू० 41,45,07,482/– की उद्धृत

राशि पर सौंपा गया है । अब कार्य प्रगति पर है तथा बेसमेंट की छत की स्लैब की ढलाई जारी है ।

3.4.15.3 सैक्टर–7, पुष्प विहार, साकेत, नई दिल्ली में 160 टाइप–।।। के फ्लैटों का कार्य निविदा सौंपने की स्थिति पर है ।

3.4.15.4 अलीगंज, नई दिल्ली में 200 टाइप–।। के फलैट (10 मंजिला टॉवर) के निर्माण के लिए कार्य प्रगति पर है । सभी चार टावरों में स्ट्रक्चरल, ईंट और प्लास्टर का काम पूरा हो चुका है । परियोजना के मार्च, 2020 तक पूरा होने की संभावना है ।

3.4.15.5 कंपोस्ट प्लांट, ओखला में प्रशासन ब्लॉक बिल्डिंग के निर्माण के एक हिस्से के रूप में, पुराने मौजूदा क्षतिग्रस्त/खतरनाक भवन के निराकरण के बाद एक बहुमंजिला इमारत बनाने का प्रस्ताव है । सर्वेक्षण रिपोर्ट परिषद् द्वारा अनुमोदित की गई है ।

3.4.16 **पूर्ण परियोजनाएँः** कई परियोजनाएं 2019–20 में पूरी हो चुकी हैं। इनमें न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूल में 12 डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करना, इंदिरा निकेतन, आकांशा, आराधना और संध्या महिला छात्रावासों में फैब्रिकेटिंग और वुडन बॉक्स बेड लगाना, तालकटोरा गार्डन में फव्वारा टैंक और नहरों की पुरानी टाइलों को बदलना, न. दि.न.परिषद् क्षेत्र/गार्डन में गार्डन गज़ेबो हट्स, की 20 नगों का निर्माण, 2 टेनिस कोर्ट, टॉयलेट ब्लॉक और शेरा मैदान, मन्दिर मार्ग पर जॉगिंग ट्रैक शामिल है।

3.4.17 **बापू समाज सेवा केंद्र का पुनर्विकास, पंचकुइयां रोड, नई दिल्ली** सिविल, इलैक्ट्रिक और फायर विभागों का एक संयुक्त कार्य है और इसे वित्त वर्ष 2020–21 में पूर्ण किया जाएगा। मैं बापू समाज सेवा केन्द्र के पहले से चल रहे कार्यक्लापों के अतिरिक्त इसे मॉडर्न लाइब्रेरी तथा महात्मा गाँधी पर डिजीटल म्यूजियम/गैलेरी के विस्तार करने का प्रस्ताव करता हूँ।

3.5 पावर वितरण आधारिक संरचना

3.5.1 आईपीडीएस परियोजना

(i) न.दि.न.परिषद् अपने क्षेत्र के बिजली वितरण के लिए डीम्ड लाइसेंसधारी है और अपने सभी उपभोक्ताओं को 24x7 विश्वसनीय गुणवत्ता की बिजली आपूर्ति प्रदान करता है। अत्याधुनिक "एडवांस मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर" (एएमआई), आईटी और स्काडा के साथ मजबूत सब–ट्रान्समीशन और वितरण नेटवर्क की उपलब्धता, आपूर्ति वितरण प्रणाली के कुशल प्रबंधन की आवश्यकता है।

(ii) सशक्तिकरण के कार्य को मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो को सौंपा गया है और प्रगति पर है। बिजली की खपत पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करने के लिए और उपभोक्ताओं को ऊर्जा के उपयोगों के बारे में विकल्प सूचित करने की अनुमति देता है, जो कि दिन के समय (टीओडी) में ऊर्जा की कीमत पर आधारित है।

(iii) उपभोक्ता मीटर के बीच दो तरह से संचार के साथ एडवांस मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (एएमआई), आईपी एड्रेस और न.दि.न.परिषद् नियंत्रण केंद्र वर्ष 2019–20 में आरंभ किया गया है। एएमआई स्मार्ट ग्रिड का मुख्य घटक है, जो रिमोट मीटर रीडिंग, समस्या पहचान, लोड प्रोफाइलिंग, ऊर्जा ऑडिटिंग संभव और संचार नेटवर्क और मीटर डेटा प्रबंधन के साथ स्मार्ट मीटर से युक्त होगा। सशक्तिकरण का कार्य प्रगति पर है।

3.5.2 न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में पावर वितरण आधारिक संरचना में सुधार के लिए, निम्नलिखित परियोजनाएं वर्ष 2019–20 में पूरी हो गई हैं।

(i) जीआईएस उपकरणों के साथ ईएसएस बापू धाम और ईएसएस सिंधिया हाउस में 33 केवी सब–स्टेशनों के उपकरणों का प्रतिस्थापन।

(ii) जय सिंह रोड पर "दिल्ली पुलिस हेड क्वार्टर बिल्डिंग" में 33 केवी ईएसएस ।

(iii) बीएसईएस ग्रिड की शिफ्टिंग के कारण प्रदर्शनी ग्राउंड से विद्युत सब–स्टेशन तिलक मार्ग में एचटी 11केवी, 400 एमएम/3सी एक्सएलपीई केबल का स्थानांतरण।

(iv) एम्स, नई दिल्ली में अतिरिक्त 33केवी सब–स्टेशन की स्थापना।

(v) नाइट्रोजन इंजेक्शन अग्निशमन निवारण और बुझाने की प्रणाली।

(vi) प्रस्तावित एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल में 33केवी आपूर्ति प्रदान करना।

(vii) किदवई नगर (पश्चिम) में 33 केवी ईएसएस का संवर्द्धन।

(viii) ईएसएस तिलक मार्ग, नेहरू पार्क और किदवई नगर (पश्चिम) में नए 33 केवी जीआईएस स्विचगियर्स के साथ पुराने 33 केवी आउटडोर स्विचगियर्स का प्रतिस्थापन।

3.5.3 अब मैं वितरण आधारिक संरचना को और मजबूत करने के लिए वित्त वर्ष 2020–21 में पहचाने गए कार्यों का प्रस्ताव करूंगा इसमें शामिल है,

(i) "आईपीडीएस के अन्तर्गत पुराने वितरण ट्रांसफार्मर, सर्किट ब्रेकर्स एलटी और एचटी पैनलों, भूमिगत केबल, अर्थिंग आदि के प्रतिस्थापन सहित 11 केवी नेटवर्क को मजबूत करने सहित सब–ट्रान्समिशन और वितरण प्रणाली को मजबूत करना"।

(ii) आईपीडीएस योजना के अन्तर्गत एचटी और एलटी केबल का प्रतिस्थापन / संवर्द्धन।

(iii) आठ महत्वपूर्ण 11 केवी सब–स्टेशनों में ऑटो चेंजओवर स्विचिंग सिस्टम।

(iv) कन्वेंशन सेंटर में एलईडी स्क्रीन की स्थापना।

(v) एम्स, नई दिल्ली पर अतिरिक्त 33केवी सब–स्टेषन और चर्च रोड में जमीन के नीचे 33 केवी ईएस की स्थापना।

(vi) न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के डी/एन तथा डी/एस डिविजन के अन्तर्गत लेफ्ट आउट झुग्गियों में जे.जे. क्लस्टर को विद्युत कनैक्षन प्रदान करना।

(vii) फीडर के दोष का पता लगाने के लिए दो फॉल्ट लोकेटिंग वैन की खरीद।

(viii) न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के भीतर और बाहर 33 केवी, 3सीX 400 वर्गमीटर एक्सएलपीई केबल बिछाने के लिए वार्षिक अनुबंध का संचालन।

(iX) सरोजिनी नगर में जीपीआरए कॉलोनी के लिए डीटीएल के माध्यम से 220 केवी विद्युत सब–स्टेशन की स्थापनाः डीटीएल द्वारा 220 केवी विद्युत सब–स्टेषन की स्थापना की जानी है, जिसके लिए एनबीसीसी भूमि प्रदान करेगा। 220 केवी विद्युत सब–स्टेशन के लिए भूमि की पहचान की।

(X) नेताजी नगर में जीपीआरए कॉलोनी में 33 केवी के सब–स्टेशन की स्थापना और नौरोजी नगर में जीपीआरए कॉलोनी में 33 केवी के एक सब–स्टेशन की स्थापना।

(Xi) प्रस्तावित एम्स ट्रॉमा में 33 केवी आपूर्ति प्रदान करना

(Xii) सफदरजंग अस्पताल में 33 केवी सब–स्टेशन की स्थापना

3.5.4 **पारंपरिक एचपीएसवी स्ट्रीट लाइट का प्रतिस्थापनः** न.दि.न.परिषद् ने 18,000 पोल्स पर सभी पारंपरिक एचपीएसवी स्ट्रीट लाइट को ऊर्जा कुशल इन्डीविजुएल कन्ट्रोल इन्टेलीजेन्ट कन्ट्रोल एलईडी स्ट्रीट लाइट के साथ तीन चरणों में बदलने के लिए कार्रवाई शुरू की है। चरण–1 के लिए 5867 का इन्डीविजुएल कन्ट्रोल वार्म एलईडी स्ट्रीट लाइट फिटिंग का काम पूरा हो गया है। इंटेलिजेंट कंट्रोल

एनर्जी एफिशिएंट एलईडी फ्लड लाइट भी द्वितीय चरण के अन्तर्गत हाई मास्ट लाइट 142 पर नियत की गई है। शेष 12000 खभों की वार्म एलईडी लाइट का प्रतिस्थापन कार्य चरण–II और III के अन्तर्गत भी शुरू किया गया हैं। आपूर्ति आदेशों को इन्डीविजुएल कन्ट्रोल एलईडी स्ट्रीट लाइट फिटिंगस और एलटी एक्सएलपीई केबल और बहुत सी सामग्री भी प्राप्त हुई है। यह वित्त वर्ष 2020–21 में पूरा हो जाएगा

3.5.5 **राष्ट्रीय एलईडी कार्यक्रमः** न.दि.न.परिषद् ने पहले से ही भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा लॉन्च किए गए राष्ट्रीय एलईडी कार्यक्रम को विद्धमान लाइटिंग / उपकरणों को एलईडी आधारित लाइटिंग और ऊर्जा कुशल उपकरणों के साथ बदलने के लिए शुरू किया है। तदनुसार, कार्यालय / व्यवसायिक भवनों, स्कूलों और अस्पताल / डिस्पेंसरी में 40000 पारंपरिक फ्लोरोसेंट ट्यूब लाइट्स /सीएफएल लैम्पों को एलईडी ट्यूब लाइट/बल्बों को बदला गया है एवं लगभग 2170 एचपीएसबी और सीएफएल फिटिंग के साथ ऊर्जा कुशल एलईडी स्ट्रीट लाइट / गार्डन पोस्ट टॉप लाइट सर्विस रोड / पार्कों में बदल दिये गये हैं। इसके अलावा, 5500 एलईडी ट्यूबलाइटें लेफ्ट आउट भवनों में भी प्रतिस्थापित की गई है। हमने प्रमुख गोल चौराहों पर 95 सोलर लाइट पोल लगाए हैं।

3.5.6 **राष्ट्रीय सोलर मिशन :** इस मिशन के अन्तर्गत, लगभग 4एमडब्ल्यू की कुल क्षमता में से लगभग 3.2 एमडब्ल्यू के लिए विभिन्न नगरपालिका भवनों / इलेक्ट्रिक सब–स्टेशनों / स्कूलों की छत के शीर्ष पर ग्रिड इंटरएक्टिव सोलर पीवी सिस्टम की स्थापना पहले ही पूरी हो चुकी है।

3.5.7 **ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करनाः सार्वजनिक ई–चार्जिंग स्टेशन**

दुनियाँ ऊर्जा दक्ष वाहन की ओर बढ़ रही है और नई दिल्ली में अधिक से अधिक बिजली चलित वाहनों का रुझान बढ़ा है। न.दि.न.परिषद् ने स्वयं अपने उपयोग के लिए इलेक्ट्रिक वाहन भी खरीदे हैं। हालाँकि शहर में उचित चार्जिंग स्टेशन की अनुपलब्धता एक व्यापक बाधा है, जो इसके व्यापक उपयोग को सीमित करता है। न.दि.न.परिषद् ने पहले ही 15 केडब्ल्यू क्षमता के 55 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। मैं वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में 100 और अधिक तेजी से सार्वजनिक ई–चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूं। ये चार्जिंग स्टेशन बहुत अधिक क्षमता (150केडब्ल्यू) के होंगे और एक ही समय में तीन गुना तेज गति से 3 वाहनों को चार्ज कर सकते हैं।

वर्ष 2020–21 में, मैं विद्युत विभाग के लिए रुपये 1375.40 आवंटित करने का प्रस्ताव करता हूं जिनमें से पूंजीगत व्यय की ओर रुपये 128.75 करोड़ और रुपये 1246.65 करोड़ राजस्व व्यय के लिए है।

4 सामाजिक आधारिक संरचना

आर्थिक बेहतरी के लिए भौतिक आधारिक संरचना आवश्यक है। वास्तविक विकास में शिक्षा, पुस्तकालयों, अस्पतालों, सिनेमाघरों, संग्रहालयों, पार्कों, खेल के मैदानों आदि को शामिल करने के लिए सामाजिक बुनियादी ढाँचे को भी शामिल करने की आवश्यकता है, ताकि स्वास्थ्य, शिक्षा और जनसंख्या के सांस्कृतिक मानकों को बढ़ावा मिले और जन साधारण की भलाई पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह का प्रभाव पड़ता है। न.दि.न. परिषद् अपनी आबादी की समग्र भलाई को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और तदनुसार मैं वित्त वर्ष 2019–20 में किए गए प्रयासों को प्रस्तुत करता हूँ और उन्हें वित्त वर्ष 2020–21 में आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित करता हूँ।

4.1 न.दि.न.परिषद् में आयुष सेवाएँ

आयुष भारत में उपलब्ध समृद्ध, पारंपरिक और ऐतिहासिक ज्ञान को प्रभावित करता है और आम जनता के लिए न्यूनतम दुष्प्रभाव के साथ एक वैकल्पिक, सस्ती और अधिक टिकाऊ उपचार पद्धति प्रदान करता है। इन तरीकों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और तदनुसार न.दि.न.परिषद् ने उन्हें भी अपनाया है। वर्तमान में न.दि.न.परिषद् में आयुष सेवाओं के अन्तर्गत 12 आयुर्वेदिक, 13 होम्योपैथिक, 2 योग और प्राकृतिक चिकित्सा 02 यूनानी, 01 सिद्ध केंद्र हैं। वर्ष 2015 से 2018 के दौरान आयुष केंद्रों पर जाने वाले रोगियों की कुल संख्या 1538,940 है (पंद्रह लाख अड़तीस हजार नौ सौ चालीस)। इस वर्ष अकेले नवंबर 2019 तक 3.45 लाख मरीजों का इलाज किया गया है।

इन सेवाओं की सफलता को देखते हुए वर्ष 2020–21 में निम्नलिखित नई पहल प्रस्तावित हैं: –

(i) पीएसओआई क्लब चाणक्य पुरी में एक नया आयुष केंद्र स्थापित करना

(ii) धर्म मार्ग में बवासीर और फिस्टुला के उपचार के लिए क्षार सूत्र चिकित्सा के लिए ऑपरेशन थियेटर।

(iii) लोदी रोड स्थित पालिका मातृत्व अस्पताल में होम्योपैथी इकाई।

(iv) सरोजनी नगर में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से अनुसंधान केंद्र के साथ 50 बेड का आयुष अस्पताल स्थापित करना।

(v) रोटेशन के आधार पर वृद्धाश्रम के लिए मोबाइल डिस्पेंसरी ।

4.2 चिकित्सा सेवाएं और सार्वजनिक स्वास्थ्य

चिकित्सा सेवा विभाग में दो प्रमुख अस्पताल अर्थात् चरक पालिका अस्पताल, मोती बाग (156 बिस्तर) और पालिका मैटरनिटी हॉस्पिटल (65 बिस्तर), 13 एलोपैथिक डिस्पेंसरी, 1 चेस्ट क्लिनिक, 1 डेंटल क्लिनिक, 7 मातृ एवं शिशु कल्याण केंद्र और 8 स्कूल स्वास्थ्य क्षेत्र सम्मिलित हैं। इसके अलावा न.दि.न.परिषद् मोबाइल वैन का एक सेट संचालित कर रही है जिसमें एक्स–रे, ईसीजी और लैब की सुविधा है। चरक पालिका अस्पताल में किए गए एक्स–रे, अल्ट्रासाउंड, इको और प्रयोगशाला परीक्षणों को छोड़कर चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली अधिकांश सेवाएं मुफ्त हैं। ये परीक्षण मामूली शुल्क पर किए जाते हैं।

4.2.1 वित्त वर्ष 2019–20 में कई नई सेवाओं को कार्यात्मक बनाया गया है और मैं अब उनकी स्थिति को अपडेट करूंगा।

(i) चरक पालिका अस्पताल में सीटी/एमआरआई मशीनें पूरी तरह से कार्य कर रही है। न.दि.न.परिषद् कर्मचारी को मुफ्त में सुविधा मिल रही है और अन्य मरीज सीजीएचएस दरों पर सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

(ii) **एक नया उपकरण I-STAT** जो रक्त की सिर्फ एक बूंद के साथ विभिन्न रक्त मापदंडों को देता है, चरक पालिका अस्पताल की इमरजेंसी, पालिका मातृत्व अस्पताल की नर्सरी और पालिका केंद्र डिस्पेंसरी में स्थापित किया गया है।

(iii) **तीन एलईडी ओटी लाइट्स डबल डोम** को पुराने ओ.टी. कॉम्प्लेक्स हेतु क्रय और स्थापित किया गया है।

(iv) **रक्त फिल्टर** की खरीद की गई है और इसका उपयोग थैलेसीमिया रोगियों के लाभ के लिए किया जा रहा है।

(v) **सीपीएच में एक अतिरिक्त ब्लॉक का निर्माण** किया गया है जहाँ सेवाओं ने पहले ही कार्य करना शुरू कर दिया है। पैथोलॉजी लैब और कलेक्शन सेंटर निचले और ऊपरी ग्राउंड फ्लोर से और ऊपरी ग्राउंड फ्लोर से ईएनटी विभाग से संचालित होता है।

(vi) **रेडियोलॉजी विभाग में सीआर प्रणाली का क्रय** किया गया है और डिजिटल एक्स–रे का कार्य शुरू कर दिया गया है।

(vii) सभी प्रकार की प्रमुख सर्जरी में से एक उन्नत लैप्रोस्कोपिक सेट की खरीद वित्त वर्ष 2020–21 में पूरी हो जाएगी।

4.2.2 **चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए, हम नई परियोजनाओं को शुरू करने का इरादा रखते हैं और निम्न उपकरणों और मशीनरी की खरीद करेंगे जो वित्त वर्ष 2020–21 के लिए प्रस्तावित अथवा सम्मिलित हैः–**

(i) चरक पालिका अस्पताल के लिए आर्थोस्कोपिक सेट का क्रय।

(ii) डिफिब्रिलेटर्स, ईसीजी मशीनों का क्रय ।

(iii) आपदा वार्ड का उन्नयन और निर्माण

(iv) कैजुअल्टी से ऊपर के क्षेत्र में एक नई ब्लड स्टोरेज यूनिट जो कि इमरजेंसी/सर्जरी में रक्त की आवश्यकता होने पर सभी विभागों के लिए बहुत अधिक मूल्यवान होगी।

(v) प्रयोगशाला प्रणाली को और उन्नत और मजबूत करने के लिए पालिका मातृत्व अस्पताल, लोदी रोड के लिए हार्मोनल जाँच सीएलआईए मशीन का क्रय।

(vi) माइक्रोबायोलॉजी का एक नया विभाग शुरू करना ताकि विभिन्न कल्चर की रिपोर्ट जो निजी प्रयोगशालाओं को भेजी जाती है, विभाग में ही हो जाए।

(vii) दो ऑपरेशन थियेटरों, 07 बेडेड रिकवरी और 07 बेडेड सर्जिकल आईसीयू के साथ एक नया ओटी कॉम्प्लेक्स नवनिर्मित ब्लॉक में स्थापित किया जा रहा है जो स्काईवॉक कॉरिडोर के माध्यम से पुराने ओ टी कॉम्प्लेक्स से जुड़ा होगा, जिससे सर्जिकल मामलों की उपलब्धता बढ़ेगी और जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, स्त्री रोग, नेत्र रोग विशेषज्ञ आदि में रोगियों की प्रतीक्षा सूची में कमी होगी।

(viii) न्यूनतम इनवेसिव, न्यूनतम जोखिम / कॉलिट्रल चोट और दर्द मुक्त प्रक्रियाओं और अस्पताल में कम रहने के साथ रोगियों को देने वाली सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हार्मोनिक स्केलपेल खरीदा जाएगा, जिससे रोगियों की आवाजाही बढ़ेगी।

4.2.2.1 **बाल रोग विभागः–** द्वितीय तल पर एक नया बाल रोग विभाग छह बिस्तर वाला एचडीयू और एक पुनर्निर्मित थैलेसीमिया वार्ड के साथ निर्मित किया गया है जहां 14–15 वर्ष तक के बाल रोग आयु वर्ग में भर्ती हो सकते हैं। बाल रोग विभाग के लिए नई सी–पीएपी मशीन (वेंटिलेटर) भी क्रय की जा रही है।

4.2.2.2 **नेत्र विज्ञान विभाग :–** यह विभाग दो नए ओ.टी. टेबल और कुर्सियां और रेटिना के मूल्यांकन के लिए नवीनतम उपकरण क्रय करके अपनी सेवाओं के उन्नयन की प्रक्रिया में है। इन उपकरणों से रेटिना रोगों के शीघ्र निदान और प्रबंधन में मदद मिलेगी जैसे मधुमेह रेटिनोपैथी, रेटिना टुकड़ी आदि जो अंधापन के प्रमुख कारण हैं। एक रेटिनल एक्युयूटी मीटर क्रय किया गया है।

4.2.2.3 **श्वसन चिकित्सा विभाग :–** यह एक पलमोनरी फंक्शन परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने और एक स्पाइरोमीटर के क्रय करने का प्रस्ताव है जो चेस्ट रोग के रोगियों के लिए बुनियादी जांच उपकरण है। शहरों में विशेष रूप से देर से सोने के विकार बढ़ रहे हैं। इन्हें विभिन्न चयापचय रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापे आदि में संकेतित गया है। वर्तमान में, प्रति माह लगभग दो से तीन न.दि.न.परिषद् कर्मचारी प्राईवेट स्लीप लैब का दौरा कर रहे हैं, इस प्रकार हम पॉलीसोम्नोग्राफी (नींद अध्ययन) का संचालन

करने के लिए **स्लीप लैबोरेट्री** की स्थापना का प्रस्ताव करते हैं। सुविधाओं को बढ़ाने के हमारे प्रयास में रेस्पिरेटरी मेडीसिन विभाग में रेस्पिरेटरी बिमारियों, सीओपीडी, अस्थमा, फेनोमियाँ इत्यादि के रोगियों के लिए एक नए फीमेल रेस्पिरेटरी वार्ड की स्थापना का प्रस्ताव किया जाता है। फेफड़े के कैंसर, टीबी, इस्टर्सशीयल फेफड़े की बीमारी आदि के मरीजों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने हेतु विभाग के लिए वीडियो ब्रोंकोस्कोप उपलब्ध कराना प्रस्तावित किया जाता है।

4.2.3 **मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टमः** चरक पालिका अस्पताल में ओटी कॉम्प्लेक्स के विकास और नवीकरण के साथ, एक मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (एमजीपीएस) स्थापित किए जाने का पहले से प्रस्ताव था। ओटी, वार्ड और अन्य क्षेत्रों में मैडीकल ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ एक केंद्रीकृत गैस बैंक होगा। यह कार्य वित्त वर्ष 2020–21 में पूर्ण हो जाएगा।

4.2.4 **चरक पालिका अस्पताल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग केंद्रः** चरक पालिका अस्पताल में टेलीमेडिसिन की सुविधा के साथ अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव है।

4.2.5 **सी–एआरएम**: एक नया सी–एआरएम प्राप्त करने का भी प्रस्ताव है जिसमें रोगियों की देखभाल की बहुत सुविधा होगी क्योंकि बहुत से रोगियों को खुली सर्जरी की आवश्यकता नहीं होगी और रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन के साथ इलाज किया जा सकता है। अतः एमआरडी सेक्शन भी प्रस्तावित किया जा रहा है।

4.2.6 **कैथ लैब की स्थापनाः** शहरी क्षेत्रों में हृदय संबंधी मामलों की बढ़ती संख्या और उनके घातक परिणामों को ध्यान में रखते हुए, रोगियों को तत्काल देखभाल की आवश्यकता होती है, वर्ष 2020–21 में चरक पालिका अस्पताल में एक कैथ लैब स्थापित करने का प्रस्ताव है।

4.3 जन स्वास्थ्य

4.3.1 **स्वच्छ सर्वेक्षणः**

मैं स्वच्छ सर्वेक्षण के अन्तर्गत न.दि.न.परिषद् की उपलब्धि को प्रस्तुत करना चाहूंगा, जहां न.दि.न.परिषद ने 2019 में 1–3 लाख श्रेणी में प्रथम रैंक प्राप्त की है। भारत के 4237 शहरों में से राष्ट्रीय रैंक 5 वें स्थान पर था। न.दि.न.परिषद सितंबर 2019 में ODF++ रिसर्टिफ़ाइड है।

4.3.2 **नो सिंगल यूज ऑफ प्लास्टिकः** न.दि.न.परिषद ने "नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक" के संबंध में गहन जागरूकता पैदा की है। न.दि.न.परिषद ने सभी न.दि.न.परिषद कार्यालयों में प्लास्टिक का कोई भी सिंगल उपयोग नहीं करने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए दो विकेन्द्रीकृत मैटेरियल रिकवरी सुविधा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

4.3.3 **कचरा संग्रहण और होम कम्पोस्टिंगः** न.दि.न.परिषद ने निवासियों को प्लास्टिक कचरा संग्रहण बैग प्रदान करने का प्रस्ताव किया है ताकि वे घर–घर जाकर कचरा एकत्र करने की क्षमता बढ़ा सकें।

सड़क किनारे और व्यवसायिक क्षेत्रों आदि में भी रखे गए सभी कूड़े के डिब्बे में कचरा संग्रह बैग प्रदान करने का प्रस्ताव है। न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के 3280 घरों में होम कम्पोस्टिंग शुरू की गई है। इस वर्ष 2000 और घरों में होम कम्पोस्टिंग को बढ़ाने का प्रस्ताव है।

4.3.4 **आईईसी गतिविधियाँः** नागरिकों में व्यवहार परिवर्तन के बारे में जागरूकता लाने के लिए आईईसी गतिविधियों के मल्टीमीडिया दृष्टिकोण को अपनाया गया है। 50 स्कूल रैलियाँ, 50000 प्रतिज्ञाओं पर हस्ताक्षर, कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों के रूप में आईईसी गतिविधियों आरडब्ल्यूए/ एमटीए / जेजे क्लस्टर्स के साथ न. दि.न.परिषद् उपलब्धियों को उजागर करने और उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए किया गया है। पेशेवर एजेंसी को शामिल करके मल्टीमीडिया दृष्टिकोण के माध्यम से आईईसी गतिविधियों का सुदृढ़ीकरण करना प्रस्तावित है जो एक वार्षिक कैलेंडर तैयार करेगा और गतिविधियों को वित्त वर्ष 2020–21 के अनुसार लिया जाएगा।

4.3.5 **सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांचः** 40 वर्ष से अधिक उम्र के सफाई कर्मचारियों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच चरक पालिका अस्पताल, मोती बाग में की गई है। 1406 में से सफ़ाई सेवकों की जाँच की गई जिसमें से 62 प्रतिशत मधुमेह के पाए गए थे, 54 प्रतिशत उच्च रक्तचाप से ग्रस्त पाए गए थे, 37 प्रतिशत अधिक वजन वाले थे, 26 प्रतिशत को डेंटल / ओरल प्रॉब्लम थी, 22 प्रतिशत को डिसिप्लिडिमिया, 18 प्रतिशत वी एनीमिक और 13 प्रतिशत को कार्डिक प्रॉब्लम थी। सभी सफाई सेवकों ने समस्या का निदान करने के लिए अस्पताल से उपचार प्राप्त किया। सफ़ाई सेवकों की वार्षिक स्वास्थ्य जाँच नियमित सुविधाएँ हैं और इन्हें अगले वर्ष भी लिया जाएगा। मैं वित्तीय वर्ष 2020–21 से 30 वर्ष से अधिक की आयु के सभी सफाई सेवकों के लिए उनके कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए इस कवरेज को बढ़ाने का प्रस्ताव करता हूँ।

4.3.6 **बिन फ्री सिटीः** न.दि.न.परिषद् ने वर्ष 2018 में सड़कों के किनारे और व्यवसायिक क्षेत्रों से कचरा एकत्र करने के लिए 1900 कम्यूनिटी मोबाइल बिन्स रखे थे। 2019 में, न.दि.न.परिषद् ने सड़क किनारे लगाए गए बिन्स को युक्तिसंगत बनाया है और वर्तमान में केवल 1232 कम्यूनिटी मोबाइल बिन्स सड़क सफाई और कचरे के संग्रह के लिए रखे हैं। न.दि.न.परिषद् ने न.दि.न.परिषद् को बिन मुक्त बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से सड़कों के कचरे वाले लोहे की बिन ट्रॉलियों को हटाने तथा बड़ी संख्या में छोटी क्षमता के बिन्स से बदलने की योजना बनाई है।

4.3.7 **ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टरः** 4 ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर में से, दो मधुलिमे मार्ग और राजा बाजार में पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। बाकी दो भारती नगर और सांगली मेस में स्थापित किए जाने की प्रक्रिया में हैं। आवासीय कॉलोनियों में 17 और ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर्स स्थापित करके विकेन्द्रीकृत गीले अपशिष्ट प्रबंधन की शुरुआत करना प्रस्तावित किया है, जिससे ओखला आवासीय कॉलोनियों से अपशिष्ट प्रोसेसिंग संयंत्र तक ऑर्गेनिक वेस्ट के परिवहन को हटाने की आवश्यकता है।

4.3.8 **एंटी–मलेरिया डेंगू और चिकनगुनिया यूनिट को सशक्त करनाः** न.दि.न.परिषद् ने 44 पीतल से निर्मित स्प्रे मशीन और 50 पोर्टेबल फॉगिंग मशीनों की खरीद करके मलेरिया विरोधी यूनिट की आधारिक संरचना को सशक्त करने का प्रस्ताव किया है।

वर्ष 2020–21 में, मैं **स्वास्थ्य क्षेत्र** के लिए रू० 154.30 करोड़ आवंटित करता हूँ जिसमें से रू० 16.33 करोड़ पूँजीगत व्यय के लिए तथा रू० 137.97 करोड़ राजस्व व्यय का प्रस्ताव करता हूँ।

5. शिक्षा

5.1 जबकि अन्य सभी उपाय नागरिकों की वर्तमान पीढ़ियों को लाभान्वित करते हैं, शिक्षा हमारी आने वाली पीढ़ियों की स्थिति और चरित्र को निर्धारित करती है। यह हमारे लिए कई अवसरवादी और व्यवहारिक चुनौतियों का समाधान करने का अवसर प्रदान करता है जो समाज के समग्र कल्याण पर असर डालती हैं। न.दि. न.परिषद् में 34 स्कूल (13 वरिष्ठ माध्यमिक, 07 माध्यमिक, 1 मिडिल, 10 प्राथमिक और 3 नर्सरी स्कूल), और 11 नवयुग स्कूल (7 वरिष्ठ माध्यमिक, 1 माध्यमिक और 3 प्राथमिक विद्यालय) हैं। न.दि.न.परिषद् ने विशेष रूप से सक्षम छात्रों (आंचल स्कूल) के लिए एक विशेष स्कूल और ड्रॉप–आउट लड़कियों और महिलाओं के लिए एक डे–टाइम माध्यमिक विद्यालय भी है। न.दि.न.परिषद् 18 क्रेच भी चलाता है, और तीन प्राथमिक सहायता प्राप्त स्कूलों को अनुदान सहायता प्रदान करता है।

5.2 पहल जिन्होंने परिदृश्य को बदल दिया है

5.2.1 न.दि.न.परिषद् ने भविष्य के जिम्मेदार नागरिकों के विकास को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता में दोनों शिक्षकों, छात्रों और प्रशासकों के लिए कई कार्यक्रम/योजनाएं शुरू कीं, जो सामग्री सुधार और अधिक प्रभावी शिक्षाशास्त्र के साथ–साथ स्कूल प्रणाली की सामान्य परिचालन दक्षता के संदर्भ में प्रभाव डालती हैं। । इन पहलों ने मजबूत आधार बनाया है और क्रमिक वर्षों में इसका लाभ उठाने की आवश्यकता है। मैं उन्हें वित्त वर्ष 2020–21 में जारी रखने का प्रस्ताव करता हूं।

5.2.1.1 स्कूल प्रबंधन सूचना प्रणाली

न.दि.न.परिषद् स्कूलों में ऑटोमेशन लाने के लिए, 26 अप्रैल 2018 को स्टूडेंट मैनेजमेंट, टीचर मैनेजमेंट, स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर, एग्जामिनेशन आदि जैसे सभी न. दि.न.परिषद् / नवयुग स्कूलों के लिए पूरी तरह कार्यात्मक से एसएमएस गेटवे वाले मॉड्यूल के साथ स्टूडेंट अचीवमेंट ट्रैकिंग सिस्टम (SATS) आरम्भ किया गया।

छात्रों और शिक्षकों की पेपरलेस उपस्थिति, ऑटो जनरेटेड रिपोर्ट कार्ड, टीसी को देना और कई अन्य सुविधाएं सॉफ्टवेयर द्वारा प्रदान की गई हैं। स्कूल एमआईएस के कार्यान्वयन के माध्यम से परिणाम और अपेक्षित सुर्पदगी, कागज के काम पर कम निर्भरता, प्रक्रियाओं / कर्मियों की उत्पादकता में वृद्धि और स्कूल प्रबंधन के समग्र पहलुओं पर नियंत्रण में वृद्धि है। स्कूल एमआईएस शिक्षकों को छात्रों पर अधिक व्यक्तिगत ध्यान देने और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए अधिक समय देने में मदद कर रहा है, इस प्रकार शिक्षा में न.दि.न.परिषद् / नवयुग स्कूल की उत्कृष्टता को आगे बढ़ाता है।

5.2.1.2 कक्षा छठी से बारहवीं के लिए स्मार्ट कक्षाएं

वर्ष 2016–17 में सभी 29 न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों में कक्षा 6 से 12 के सभी हिंदी / अंग्रेजी माध्यम वर्गों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं। स्मार्ट क्लासरूम ने पारंपरिक कक्षाओं को भविष्य की तकनीक में बदल दिया है, जो अत्याधुनिक तकनीक, बुनियादी ढाँचे और व्यवसायिक रूप से विकसित शिक्षण सामग्री को समाहित करके स्मार्ट लर्निंग क्लासेस को सक्षम बनाता है। शिक्षण को सुविधाजनक बनाने के लिए अब विषय पाठ्यक्रम डिजिटल रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस तरह के कक्षाओं को हाई–एंड कंप्यूटर, हाई–एंड प्रोजेक्टर के आधार पर एडवांस इंटरैक्टिव डिस्प्ले सिस्टम प्रदान किया गया है। स्कूल उपस्थिति, प्रवेश, परिणाम, और शैक्षणिक वातावरण, शिक्षण की गुणवत्ता, स्कूल के बुनियादी ढांचे, स्कूल सुरक्षा और स्कूल प्रशासन पर इन स्मार्ट कक्षाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

5.2.1.3 **डिजिटल लाइब्रेरीः** न.दि.न.परिषद् ने वर्ष 2017–18 में 13 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत की। सत्र 2019–20 के दौरान न.दि.न.परिषद् के माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 14 और डिजिटल लाइब्रेरी शुरू की गई हैं। इन डिजिटल पुस्तकालयों में अप–टू–डेट सिविल और इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवीनतम फर्नीचर के साथ–साथ ऑल–इन–वन कंप्यूटर, अमेज़ॅन किंडल, बार–कोड प्रिंटर, बार–कोड स्कैनर, 8 एमबीपीएस ब्रॉडबैंड कनेक्शन और एनआईसी ई–लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया गया है।

5.2.1.4 **अटल/पालिका टिंकरिंग लैब्सः** अभिनव दिमागों को उत्साहित करने के लिए, न. दि.न.परिषद् नवयुग स्कूलों में 2018 और 2019 में पहली बार एक अटल टिंकरिंग लैब और 05 पालिका टिंकरिंग लैब्स स्थापित किए गए हैं।

5.2.1.5 **क्विज आधारित लर्निंग सॉल्यूशनः** इसको 2018–19 में न.दि.न.परिषद् स्कूलों के अन्तर्गत सभी स्कूलों में प्रस्तुत किया गया था, जिसके लिए प्रत्येक स्कूल को कम से कम तीन एलईडी टीवी से लैस किया गया है। इस वर्ष सॉफ्टवेयर को अपग्रेड किया गया है जिससे सीखना और अधिक प्रभावी हो गया है।

5.2.1.6 **क्यूसीआई के माध्यम से गुणवत्ता का आकलनः** न.दि.न.परिषद् नवयुग स्कूलों के गुणवत्ता मूल्यांकन का संचालन करने के लिए न.दि.न.परिषद् ने 2017–18 में क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) के साथ मिलकर एक परियोजना शुरू की, जो कि स्कूली शिक्षा प्रणाली में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए छठी से आठवी कक्षा के छात्रों और शिक्षकों के सीखने के परिणामों का आकलन करने के लिए है। इस परियोजना के तहत, क्यू सी आई न.दि.न.परिषद् स्कूलों के छात्रों के सीखने के परिणामों का मूल्यांकन और निगरानी कर रहा है, शिक्षण–प्रशिक्षण प्रक्रिया में हस्तक्षेप के माध्यम से लाभार्थियों की बेहतरी में योगदान दे रहा है । शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, क्यूसीआई न.दि.न.परिषद् के 43 स्कूलों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। नियमित मूल्यांकन के माध्यम से हस्तक्षेप के लिए क्षेत्रों की पहचान कार्य करते हुए न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों की क्षमताओं में सुधार करने के लिए गुणवत्ता मूल्यांकन जारी रखा गया था। परिणाम सकारात्मक रहा हैः परियोजना की आरंभ के बाद से उच्च श्रेणी में आने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। शिक्षकों की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

5.2.1.7 **प्राथमिक स्कूलों में जॉयफुल लाइब्रेरी**

न.दि.न.परि. ने 2017–18 में 16 प्राथमिक विद्यालयों में जॉयफुल लाइब्रेरी की शुरुआत की। इस तरह की पहल के पीछे का विचार एक जोशिला और आकर्षक वातावरण प्रदान करना है जहां बच्चे अपने संचार कौशल में सुधार करते हुए कल्पना और ज्ञान की दुनिया को ढूंढ सकते हैं। उनके सौंदर्य के साथ पुस्तकालय और समृद्ध संग्रह के साथ एक खुशहाल / आनंदपूर्ण वातावरण बनाता है जो एक संवेदनशील उम्र में छात्रों के बीच पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देता है। सत्र 2019–20 में, 28 सेकेण्डरी और सीनियर सेकेण्डरी स्कूलों के शेष प्राथमिक विंग में जॉयफुल लाइब्रेरी स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जो मार्च 2020 तक पूरा हो जाएगा।

5.2.1.8 **छात्रों के सीखने के परिणाम में सुधार के लिए एडूइस फन का कार्यान्वयन**

न.दि.न.परिषद् ने अपने सॉफ्टवेयर के लिए एडूयिसफन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन में किया है, जिसे 2019–20 और 2020–21 के लिए स्टैपएप मुफ्त कहा गया है, ताकि कमजोर वर्ग के छात्रों को

अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुँचने के अवसर प्रदान करने के लिए न.दि.न. परिषद् के दृष्टिकोण के साथ मिलाया जा सके। यह न.दि.न.परिषद् स्कूलों में शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए बनाया गया गेम आधारित सॉफ्टवेयर है। सॉफ्टवेयर सीबीएसई पाठ्यक्रम के साथ मैप किया गया है। यह सभी मिडिल, सेकेण्डरी और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के कंप्यूटर लैब्स में स्थापित किया गया है और छात्रों को दोहरी लॉगिन आईडी प्रदान की गई है ताकि वे अपने खाते को घरेलू कंप्यूटर / टैबलेट से एक्सेस कर सकें।

5.2.1.9 **सूचना क्योस्क** छात्रों को आसानी से उपलब्ध होने वाली पुस्तकों, स्कूल कार्यक्रम आदि सहित, जानकारी उपलब्ध कराने के लिए और फीडबैक प्रदान करने के लिए, सभी न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों में 62 सूचना कियोस्क स्थापित किए गए हैं। सभी न.दि.न.परिषद् स्कूलों में शीघ्र इंटरनेट कनेक्शन के लिए एक नेटवर्क के माध्यम से सभी स्कूलों को जोड़ने का प्रस्ताव है।

5.2.1.10 **अंडर 10 गर्ल्स फुटबॉल टीम** एक अनोखी खेल पहल के रूप में, तीन स्थानों पर तीन अंडर 10 गर्ल्स फुटबॉल टीम' (प्रत्येक टीम जिसमें 30 छात्र सम्मिलित हैं) का गठन किया गया है, जिसमें इन लड़कियों को उचित कोचिंग प्रदान की जाती है, ताकि उन्हें पेशेवर खिलाड़ी की तरह तैयार कर सकें।

5.2.1.11 **सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनः–** छात्राओं की व्यक्तिगत स्वच्छता और समग्र कल्याण के लिए, सभी 28 माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में 29 सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन स्थापित की गई हैं, जिसमें किशोर छात्राओं को मुफ्त कम्पोस्टेबल सेनेटरी पैड प्रदान किए गए हैं। इस तरह के सैनिटरी पैड को निपटाने के लिए कंपोस्टिंग पिट बनाए गए हैं। यह योजना आगे भी जारी रहेगी।

5.2.1.12 **जीसस मेरी कॉलेज के साथ समझौता ज्ञापनः–** अटल आदर्श विद्यालय, बापूधाम में एक स्थायी आधार पर गुणवत्ता सुधार के माध्यम से प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए जेएमसी तथा न.दि.न.परिषद् के बीच सत्र 2018–19 में पाँच साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है। परियोजना ने स्कूल के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में मदद की है।

5.2.1.13 **बेस लाइन मैपिंगः** छात्रों के सीखने को बेहतर बनाने के लिए, सत्र 2016–17 में न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में बेसलाइन मैपिंग रणनीति को अपनाया गया। दो आधारभूत स्तर की मैपिंग 2016–17 सत्र में आयोजित की गई। 2017–18 में चार बेसलाइन स्तर मैपिंग की गई। जून, 2018 में परियोजना उन्नाति के समापन के बाद 2018–19 में आधारभूत स्तर की मैपिंग का आयोजन किया गया। इससे छात्रों के पढ़ने, लिखने और गणितीय कौशल में समग्र वृद्धि हुई। परियोजना वर्ष 2020–21 में भी जारी रहेगा।

5.2.1.14 **बायोमेट्रिक उपस्थितिः** सभी न.दि.न.परिषद् स्कूलों को बायोमेट्रिक उपस्थिति (बीएएस) क्रियाविधि से सुसज्जित किया गया है, जिसके माध्यम से कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। एमआईएस और बीएएस के प्रबंधन के लिए प्रत्येक स्कूल से दो व्यक्ति को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

5.2.1.15 **फाइबर आधारित इंटरनेटः** अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्किट में एमटीएनएल के माध्यम से प्रत्येक को 10 एमबीपीएस की दो फाइबर आधारित लीज्ड लाइनें प्रदान की गई हैं। टैबलेट आधारित स्मार्ट कक्षाएं चलाने और स्कूल को न.दि.न.परिषद् कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ने के लिए लीज्ड लाइनों का उपयोग किया जा रहा है।

5.2.1.16 **लड़कों के लिए 2019–20 में फुटबॉल अकादमीः** सत्र 2018–19 में, विभाग ने लड़कियों के बीच फुटबॉल को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच खेल संस्कृति को विकसित करने के लिए 03 न.दि.न.परिषद् / नवयुग स्कूलों में 'अंडर 10 गर्ल्स फुटबॉल अकादमी' शुरू किया। इसी तर्ज पर 10–14 साल से कम उम्र के लड़कों के लिए 03 फुटबॉल अकादमियों को 2019–2020 में तीन स्थानों अर्थात अटल आदर्श विद्यालय लोधी रोड, नवयुग स्कूल सरोजनी नगर और अटल आदर्श बाल विद्यालय मंदिर मार्ग में शुरू किया गया था।

5.2.1.17 **भाषा लैबः** बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए भाषा का बहुत उच्च महत्व है और यह स्कूली पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है। यदि बच्चे की भाषा में सुधार किया जाता है, तो उसके सीखने के परिणाम में निश्चित रूप से सुधार होगा। वर्ष 2018–2019 में, नवयुग स्कूल, सरोजिनी नगर और अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्किट में भाषा लैब स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया था। इन दोनों प्रयोगशालाओं की स्थापना की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जनवरी 2020 तक पूरी हो जाएगी।

5.2.1.18 **आम और खुले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरेः** सभी मिडिल, सेकेण्डरी और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में छठी से बारहवीं तक की सभी कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे हैं। न.दि.न.परिषद् कैंपस में हमारे छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए मार्च 2020 तक सभी न.दि.न.परिषद् स्कूलों के सभी कॉमन एरिया में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया में है।

5.3 न.दि.न.परिषद्/नवयुग विद्यालय में नामांकन में सुधार

जब अन्य सरकारी स्कूलों में छात्रों का नामांकन हर साल कम हो रहा है, तो न.दि.न. परिषद् / नवयुग स्कूलों में नामांकन ने वर्ष 2016–17 के दौरान शैक्षणिक वर्ष 2018–19 और 2017–2018 के दौरान प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। न.दि.न.परिषद् / नवयुग स्कूलों में 2016–2017 में कुल नामांकन लगभग 27,500 छात्रों का था, जो वर्ष 2017–18 में लगभग 30,000 छात्रों और वर्ष 2018–19 में 30300 से अधिक छात्रों तक बढ़ गया है। इस वर्ष (2019–2020) में भी नामांकन लगभग 30,000 था। मुझे आशा है कि डिजिटल

शिक्षा, उत्कृष्ट आधारिक संरचना, बेहतर खेल सुविधाओं, और लगभग लगभग 36000 बच्चों हेतु बनाई गई समग्र क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के कारण न.दि.न.परिषद् / नवयुग स्कूलों में नामांकन में वर्ष 2020–2021 के दौरान और वृद्धि होने की संभावना है।

5.4 कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम में समग्र सुधार

शैक्षणिक और तकनीकी इन्टरवेन्शन के कारण, प्रभावी प्रशासन, न.दि.न.परिषद् द्वारा शिक्षा को दी गई प्राथमिकता, वर्ष 2018–19 में न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों का समग्र 12वीं कक्षा का परिणाम 94.21 प्रतिशत था, जो 93.6 प्रतिशत, 90.15 प्रतिशत, 86.67 प्रतिशत तथा 80.20 प्रतिशत से वर्ष 2017–18, 2016–17, 2015–16 और 2014–15 में क्रमशः अधिक था।

2017–18 में बोर्ड परीक्षा फिर से शुरू होने के साथ, कक्षा 10वीं के छात्रों का केंद्रीकृत मूल्यांकन 2017–18 से शुरू हो गया है। कक्षा 10वीं के लिए न.दि.न.परिषद् के स्कूलों का परिणाम अन्य सरकारी स्कूलों की तुलना में भी बेहतर रहा है। 2019 में परिणाम 90 प्रतिशत था जो सत्र 2018 के परिणाम से अधिक था जो कि 80.22 प्रतिशत था। वर्ष 2019–20 का फोकस 10वीं और 12वीं दोनों के लिए 100 प्रतिशत है।

5.5 **वर्ष 2020–2021 के लिए फोकस क्षेत्र** पिछले बजट में, न.दि.न.परिषद् ने विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे, अच्छे शिक्षक छात्र अनुपात, मजबूत अतिरिक्त पाठ्येतर गतिविधियों का लाभ उठाकर आने वाले वर्षों के लिए सुधारों के दूसरे चरण को शुरू करने का फैसला किया। पिछले वर्ष की तरह वर्ष 2020–21 के लिए फोकस क्षेत्र बने रहेंगेः

(i) शिक्षा और प्रौद्योगिकी को एक साथ लाना और एक उपयोगी शैक्षिक उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना;

(ii) क्षमता निर्माण के लिए गहन शिक्षक प्रशिक्षण।

(iii) स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार।

(iv) छात्रों को जीवन कौशल प्रदान करना;

(v) व्यवसायिक कौशल प्रदान करना।

(vi) शारीरिक शिक्षा के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार;

(vii) वास्तविक समय की इंटरैक्टिव शिक्षण प्रक्रियाओं जैसे कि क्विज आधारित शिक्षण, टैबलेट आधारित परीक्षा आदि के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया की रचनात्मकता और मजबूती पर जोर देकर सीखने के परिवश में सुधार करना।

5.6 वर्ष 2020–2021 के लिए परियोजना प्रस्ताव अब मैं उन परियोजनाओं/पहलों को प्रस्तावित करना चाहता हूँ जो वर्ष 2020–2021 के दौरान हमारे स्कूलों में शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए किए जायेंगे।

5.6.1 सभी प्राथमिक कक्षाओं को स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित किया जाएगा

वर्ष 2016–17 में सभी 29 न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों में कक्षा छठी से बारहवीं तक के सभी हिंदी / अंग्रेजी मीडियम सेक्शनों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं। प्राथमिक विंग में स्मार्ट कक्षाओं को शुरू करने के बारे में न.दि.न.परिषद् द्वारा किए गए एक सर्वे में, विभिन्न मापदंडों पर प्राप्त किए गए 8573 फीडबैक में से, 96 प्रतिशत से अधिक माता–पिता मानते हैं कि स्मार्ट कक्षाएं न.दि.न.परिषद / नवयुग स्कूलों के प्राथमिक सेक्शनों में शुरू की जा सकती हैं। विभिन्न स्टेकहोल्डरों अर्थात् छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों और अभिभावकों से मिले फीडबैक के आधार पर, वर्ष 2019–20 में न.दि.न.परिषद / नवयुग स्कूलों के प्राथमिक सेक्शनों में स्मार्ट कक्षाएं शुरू करने का प्रस्ताव पहले ही किया गया था। इस संबंध में प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है और न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों के प्राथमिक सेक्शनों को सत्र 2020–21 में नवीनतम इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल (आईएफपी) आधारित स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

मैं आधुनिक शिक्षा शास्त्र के माध्यम से उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सभी प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों हेतु गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव करता हूँ।

5.6.2 टैबलेट आधारित स्मार्ट कक्षाएं

टेबलेट आधारित स्मार्ट कक्षाएं विशेष रूप से मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम विकास है। टैबलेट आधारित स्मार्ट कक्षाओं के अन्तर्गत, छात्रों का मूल्यांकन तेज और आसान होगा और इसलिए छात्रों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने में सहायक होगा। माइक्रोसॉफ्ट और सैमसंग के सहयोग से, पिछले वर्ष दो स्कूलों की तीन कक्षाओं में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में टैबलेट प्रदान किए गए हैं, अर्थात् अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्किट और अटल आदर्श बालिका विद्यालय, गोल मार्किट, जिसका अनुभव बहुत लाभदायक है। विभाग ने खान अकादमी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत, खान अकादमी सोल्यूशन विशेष रूप से मूल्यांकन का उपयोग न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों में किया जाएगा। वर्ष 2020–21 में छात्रों के ऑनलाइन मूल्यांकन /मूल्यांकन का कार्य करने के लिए माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में से प्रत्येक में टैबलेट आधारित वाई–फाई सक्षम कक्षाओं की स्थापना की जाएगी।

5.6.3 सभी स्कूलों में फाइबर आधारित डिजिटल कनेक्टिविटी

टैबलेट आधारित कक्षाओं, डिजिटल पुस्तकालयों, अटल/पालिका टिंकरिंग लैब्स और अन्य स्मार्ट पहलों के उचित कार्यान्वयन के लिए, मैं वर्ष 2020–21 में सभी न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों में उपयुक्त बैंड चौड़ाई के फाइबर आधारित इंटरनेट कनेक्टिविटी को प्रदान करने का प्रस्ताव करता हूँ।

5.6.4 ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से न.दि.न.परिषद के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से स्कूलों को जोड़ना

यह कहना सबसे महत्वपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी के इन्टरवेन्शन से उत्पन्न किसी भी डाटा को संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उसी का उपयोग करने के लिए सार्थक जानकारी में परिवर्तित किया जाएगा।

न.दि.न.परिषद ने सभी संबंधितों को सुरक्षा और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए फील्ड यूनिट्स के साथ मुख्यालय के रियल टाइम कनेक्टिविटी के लिए मुख्यालय में सीसीसी सेंटर शुरू किया है। अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय, गोल मार्केट के स्मार्ट कक्षाओं के सीसीटीवी को कमांड एंड कन्ट्रोल सेन्टर के माध्यम से फाइबर आधारित इन्टरनेट–नेटवर्क के साथ एकीकृत किया गया है। मैं सभी न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों को सी सी सी केंद्र के साथ बेहतर प्रशासन के लिए एकीकृत करने और सी सी सी केंद्र के साथ बेहतर प्रशासन के लिए एकीकृत करने और सी सी सी केंद्र के साथ एम आई एस, स्मार्ट क्लासेस, सीसीटीवी आदि के एकीकरण के माध्यम से स्कूल परिसर की बढ़ी हुई सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रस्ताव करता हूँ ।

5.6.5 एक्सचेंज प्रोग्राम

वर्ष 2017–18 के दौरान न.दि.न.परिषद् ने अपने छात्रों और शिक्षकों को अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए सर्वोत्तम कार्यों और मॉडलों को देखने का अवसर देने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किया। इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम बेल्जियम के साथ आयोजित किया गया था। नेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम सिक्किम, लद्दाख और अंडमान और निकोबार के साथ आयोजित किया गया है। यह प्रस्तावित है कि एक्सचेंज प्रोग्राम वर्ष 2020–21 के दौरान जारी रहेगा, साथ ही तीन राज्यों और एक अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज प्रोग्राम को लक्षित किया जाएगा।

5.6.6 न.दि.न.परिषद्/नवयुग स्कूलों में प्रयोगशालाओं का उन्नयन

न.दि.न.परिषद के पास न.दि.न.परिषद स्कूलों में 53 लैब और नवयुग स्कूलों में 29 लैब हैं जैसे विज्ञान लैब, होम साइंस लैब, भूगोल लैब, केमिस्ट्री लैब, फिजिक्स लैब, बायोलॉजी लैब, मैथ्स लैब, आदि। इस तरह की लैबोरेट्रीज़ एक बच्चे की शिक्षा में जटिल अवधारणा को सीखने के माध्यम से व्यापाक तरीके से सीखने के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस तरह की प्रयोगशालाओं को उन्नयन की

आवश्यकता है, इसलिए, न.दि.न.परिषद् नवयुग स्कूलों के सभी प्रयोगशालाओं को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए पिछले बजट में प्रस्तावित किया गया था, जिसमें सिविल इंफांस्ट्रक्चर प्रयोगों के लिए उपकरण, आदि उन्हें अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ प्रदान की जाएगी । वर्ष 2020–21 में कार्य पूरा हो जाएगा।

5.6.7 न.दि.न.परिषद / नवयुग स्कूलों में अटल / पालिका टिंकरिंग लैब्स

'कलटिवेट वन मिलियन चिल्ड्रन इन इंडिया एज नियोट्रिक इनोवेटर्स' की दृष्टि से, अटल इनोवेशन मिशन के तहत नीति आयोग भारत भर के स्कूलों में अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं (ए टी एल) की स्थापना कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य युवा मन में जिज्ञासा, रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देना है; जैसे डिजाइन मानसिकता, कम्प्यूटेशनल सोच, अनुकूली सीखने, शारीरिक कंप्यूटिंग आदि जैसे कौशल विकसित करना है । एटीएल एक कार्य स्थान है जहां युवा मन अपने विचारों को अपने हाथों से रूप देते हुए अपने आप आकार दे सकते हैं, और नवाचार कौशल सीखते हैं। सत्र 2018–2019 में, नीति आयोग ने एटीएल की स्थापना के लिए नवयुग स्कूल, सरोजनी नगर का चयन किया। इसके अलावा, न.दि.न.परिषद् ने सत्र 2018–19, 2019–20 में एटीएल की तर्ज पर 5 पालिका टिंकरिंग लैब्स की स्थापना की। नीति अयोग से प्राप्त फंड के माध्यम से चार और एटीएल स्थापित करने की प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है और मार्च 2020 तक पूरी हो जाएगी। मैं प्रस्ताव करता हूं कि सत्र 2020–2021 में शेष 18 माध्यमिक और सीनियर सैकेण्डरी स्कूल तथा नवयुग स्कूल न.दि.न.परिषद् में पालिका टिंकरिंग लैब स्थापित की जाएंगी।

5.6.8 पैनिक बटन

न.दि.न.परिषद् अपने स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा के बारे में चिंतित है और उसने छात्रों और स्कूल परिसर की सुरक्षा के लिए एक शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई है। न.दि.न.परिषद स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीबीएसई दिशानिर्देशों की तर्ज पर एक विस्तृत निर्देश जारी किया गया है और कैंपस में हमारे बच्चों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मासिक आधार पर स्कूलों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। परिसर की सुरक्षा को और बढ़ाने के लिए, मैं वर्ष 2020–21 में खुले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के साथ सभी न.दि.न.परिषद स्कूल में पैनिक बटन स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ।

5.6.9 न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों में नेचर क्लासरूम

टैगोर ने एक ऐसी शिक्षा की परिकल्पना की थी जो किसी के निकटवर्ती परिवेश में गहराई से निहित थी, लेकिन व्यापक दुनिया की संस्कृतियों से जुड़ी थी, जो आनंददायक शिक्षा पर आधारित थी और बच्चे के व्यक्तित्व के लिए व्यक्तिगत थी। उन्होंने महसूस किया कि एक पाठ्यक्रम को वृक्ष के नीचे खुली हवा में कक्षाओं के साथ प्रकृति के चारों ओर व्यवस्थित रूप से घूमना चाहिए, ताकि प्लांट और

एनिमल किंगडम की प्रवाहशीलता की एक सहज प्रशंसा और मौसमी परिवर्तन हो सके। टैगोर आसपास के विश्व के साथ परस्पर संबंध की एक संवेदनात्मक भावना के महत्व पर जोर देते हैं। टैगोर के शिक्षा के विचार के महत्व को देखते हुए, मैं 10 न.दि.न.परिषद स्कूलों में एक प्रकृति आधारित कक्षा विकसित करने का प्रस्ताव करता हूँ।

5.6.10 न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों में सोलर डेमो मॉडल

हाल के दशकों में सौर कोशिकाओं और सौर पैनलों में चल रही महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति सौर ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत में बदलने में एक महत्वपूर्ण संचालक रही है, और पारंपरिक रूप से उत्पन्न बिजली के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प है। सौर ऊर्जा, पर्यावरणीय रूप से हरित ऊर्जा है और सिस्टम के उठने और चलने के बाद उत्पन्न होने के लिए लगभग स्वतंत्र है। सौर ऊर्जा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, सभी प्राथमिक स्कूलों में सौर बेंच और या सौर वृक्ष का प्रावधान किया जाएगा।

5.6.11 आंचल स्कूलों में बड़े लड़कों के लिए व्यावसायिक/लैब/विनिर्माण इकाई

यह देखा गया है कि 25 वर्ष की आयु के बाद की विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को आंचल स्कूल से बंद कर दिया जाता है और उसके बाद उन्हें आंचल स्पेशल स्कूल में सीखे कौशल के आधार पर अपनी आजीविका कमाने का कोई अवसर नहीं मिलता है। ऐसे छात्रों को संलग्न करने और कुछ आजीविका प्रदान करने के लिए, मैं सी डब्ल्यू एस एन के लिए आंचल में एक छोटा विनिर्माण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखता हूँ, जो 25 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर स्कूल से छूट जाते हैं।

5.6.12 मिड–डे मिल योजना के अंतर्गत सेमी–ऑटोमैटिक रसोई की स्थापना

मिड–डे–मिल योजना पहली बार 1995 में आई थी और तब से कई बदलाव हुए हैं। इसका लक्ष्य स्कूली बच्चों को पोषण प्रदान करना था। बजट वर्ष 2018–19 के दौरान, अटल आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय और अटल आदर्श बालिका विद्यालय स्कूल ऑफ एक्सिलैंस गोल मार्किट के रूप में स्थापित है विकसित करने का प्रस्ताव किया गया था।

इस पहल के एक भाग के रूप में, विभाग ने पड़ोसी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए ताजा पकाया, पौष्टिक, गर्म मिड डे मील परोसने के लिए कैम्पस में रसोई स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। बंगाली बालिका विद्यालय में रसोई अक्टूबर 2019 के पहले सप्ताह में चालू हो गई है। यह गोल मार्किट क्षेत्र में स्थित छह स्कूलों के लगभग 7000 छात्रों को सेवा दे रही है। चूंकि यह छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करेगा, इसलिए अन्य स्कूलों के लिए इस परियोजना को दोहराने का प्रस्ताव किया जाता है। इसलिए, मैं न.दि.न.परिषद् स्कूलों में इसी

तरह की 3 और रसोई स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ ताकि 42 स्कूलों के शेष छात्रों को ताजा पकाया हुआ गर्म मिड डे मील परोसा तथा आपूर्ति की जा सके।

5.6.13 स्कूल /वर्कशॉप में आर्ट कक्षाएं– पेंटिंग /संगीत /नृत्य

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी इसे महत्व दिया है। विभिन्न तरीकों के माध्यम से न.दि.न. परिषद् स्कूल पहले से ही छात्रों को विभिन्न सह–पाठयक्रम गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस भागीदारी को दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों के बराबर करने के लिए, मैं न.दि.न.परिषद्/ नवयुग स्कूलों में 04 केंद्र विकसित करने का प्रस्ताव करता हूँ जो पेंटिंग / संगीत / नृत्य / खेल गतिविधियों हेतु शेष स्कूलों के लिए जोनल सेन्टर के रूप में कार्य करेंगे। परियोजना के अन्तर्गत केंद्रों को संस्कृति और खेल के लिए अत्याधुनिक केंद्र बनाने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

5.6.14 लोधी गार्डन में इको वॉक

इको–वॉक हमें अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करता है ताकि छात्रों को हमारे आसपास के प्राकृतिक संसाधनों को महत्व दे और उनका संरक्षण करें अपने पर्यावरण के प्रेम और उनकी देखभाल में वृद्धि और बढ़ावा देना, अवैध तरीकों से अपने पर्यावरण की रक्षा करना भलिभाँति संरक्षित राष्ट्रीय संसाधनों की सुंदरता की सराहना करना और उन्हें प्रगति के लिए एक साथ काम करने की खूबसुरती का एहसास करना। छात्रों को प्रकृति और पर्यावरण के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए न.दि.न.परिषद ने लोधी गार्डन में छात्रों और अनुरक्षण शिक्षकों के लिए ईको वॉक शुरू किया। न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों के 28 स्कूलों ने 40–50 छात्रों (छठी से 9 वीं और 11 वीं कक्षा) और प्रत्येक माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के 2–3 शिक्षकों के साथ इस वॉक में भाग लिया है। मैं वर्ष 2020–21 में ईको वॉक जारी रखने का प्रस्ताव करता हूं।

5.6.15 न.दि.न.परिषद और नवयुग स्कूलों के छात्रों के लिए "सीमा दर्शन"

'सीमा दर्शन' मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा की जा रही एक अनूठी पहल है, जिसमें स्कूली बच्चे हमारे देश के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करते हैं और पारम्परिक गीत और नृत्यों के माध्यम से हमारे सैनिकों और सैन्य दलों के समक्ष उपस्थित हमारे देश की परंपरा और संस्कृति को दर्शाते हैं। बाल कलाकार **जवानों** को दिखाते हैं कि वे किस तरह से उस देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर रहे हैं और आगे ले जा रहे हैं, जिसके लिए सशस्त्र बल लगातार सतर्कता बरत रहे हैं और अपनी सीमाओं की रक्षा और रखवाली भी कर रहे हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रचलित सुरक्षा परिस्थिति का प्रथम अनुभव प्रदान करना है। अन्य उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना और बच्चों को सीमा के परिवेश का अनुभव करने का अवसर प्रदान करना है।

सत्र 2019–20 में विभाग ने अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए सीमा दर्शन कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम में न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों के 45 छात्रों और 5 शिक्षकों ने भाग लिया। मेरा प्रस्ताव है कि वर्ष 2020–2021 में भी न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों के छात्र और शिक्षक इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

5.6.16 माउंटेन ट्रेकिंग

ट्रेकिंग प्रकृति की सुंदरता की खोज और आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका है। प्रकृति की खोज और आनंद लेना नकारात्मकता और तनाव को मन से दूर कर सकता है। प्रकृति के आसपास घूमना और ताज़ा साँस लेना शरीर को सही कसरत दे सकता है। यह ताकत, कार्डियो फिटनेस और आराम से और जल्दी चलने की क्षमता में भी सुधार करता है। ट्रेकिंग समाजीकरण में मदद करता है क्योंकि एक व्यक्ति अलग–अलग लोगों के साथ बातचीत करता है और नए दोस्त बनाता है।

ट्रेकिंग के लाभों को ध्यान में रखते हुए, मैंने वर्ष 2020–2021 में शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए हिमालय में माउंटेन ट्रेकिंग शुरू करने का प्रस्ताव रखा है।

5.6.17 साइकलिंग क्लब

फिट और स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय होना आवश्यक है। साइकलिंग चलाना एक स्वस्थ, कम प्रभाव वाला व्यायाम है जिसका आनंद छोटे बच्चों से लेकर बड़े वयस्कों तक सभी उम्र के लोग उठा सकते हैं। यह मज़ेदार, सस्ता और पर्यावरण के लिए अच्छा भी है। सभी न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों में योगा क्लब और स्वच्छता क्लब का गठन किया गया है। साइकलिंग के लाभों को ध्यान में रखते हुए, मैंने 5 स्कूलों में वर्ष 2020–21 में साइकलिंग क्लब बनाने का प्रस्ताव किया है। प्रत्येक स्कूल को क्लब बनाने के लिए 20 साइकिलें प्रदान की जाएगी। न.दि.न.परिषद् स्कूल साइकलिंग क्लब का उपयोग स्कूल के पड़ोसी क्षेत्रों में फिट इंडिया और अन्य सामाजिक संदेशों के बारे में संदेश फैलाने के लिए किया जाएगा।

5.6.18 छात्राओं के लिए सेल्फ डिफेन्स प्रशिक्षण

एक अध्ययन के अनुसार जो महिलाएं सेल्फ डिफेन्स कक्षा में भाग लेती हैं, i) उनके पास बेहतर सुरक्षा रणनीतियाँ हैं। ii) अजनबियों और उन लोगों से निपटने के लिए अधिक सज्जित थीं जिन्हें वे जानती हैं, संभावित हमले या दुर्व्यवहार के संदर्भ में और iii) उनमें आत्मविश्वास बढ़ा था। छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए यह प्रस्तावित किया जाता है कि दिल्ली पुलिस और आंतरिक संसाधान व्यक्ति के माध्यम से सभी न.दि.न.परिषद् और नवयुग स्कूलों में कक्षा v से xii तक की सभी छात्राओं को एक महीने का सेल्फ डिफेन्स प्रशिक्षण दिया जाएगा।

5.6.19 न.दि.न.परिषद् स्कूलों में आपदा तैयारियाँ वर्कशॉपः प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों में आपदा की बढ़ती घटनाओं को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्रों में जीवित रहने के लिए बच्चों को तैयार करना और उनसे निपटने के लिए आवश्यक कोपिंग कार्यविधि तैयार करना आवश्यक होता है। मैं वित्त वर्ष 2020–21 में सभी न.दि.न.परिषद् स्कूलों में ऐसी कार्यशालाएँ शुरू करने का प्रस्ताव करता हूँ।

आगामी वर्ष में, न.दि.न.परिषद् शिक्षा क्षेत्र में रू० 230.84 करोड़ की राशि व्यय करने का प्रस्ताव करती है। जिसमें से रु० 16.36 करोड़ पूंजीगत कार्यों के लिए है।

6. प्राकृतिक संसाधन संरक्षण/उद्यान

6.1 उद्यान

नई दिल्ली क्षेत्र अपनी हरियाली के लिए पहचाना जाता है, जो न केवल सुखदायक प्रभाव का आईलैंड बनाता है, बल्कि कुछ हद तक हीटिंग प्रभाव और वायु और धूल प्रदूषण का भी ध्यान रखता है। न.दि.न.परिषद् का उद्देश्य सभी कच्चे क्षेत्रों को हरित क्षेत्र में परिवर्तित करना है, जिसके लिए पिछले चार वर्षों के दौरान हितधारकों के साथ गहन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है, जिसमें वर्ष 2016–17 में लगभग 7.5 लाख छोटे पौधे लगाए गए थे, जिनमें वर्ष 2017–18 में लगभग 10 लाख पौधे लगाए गए थे वर्ष 2018–19 में 38,500 छोटे पौधे सहित 20 लाख पौधे लगाए गए थे। वर्ष 2019–20 में 11000 वृक्षों सहित लगभग 3.5 लाख छोटे पौधे लगाए गए न.दि.न.परिषद् के अधिकांश क्षेत्र और कवरेज के संदर्भ में परिपूर्णता के समीप वृक्ष लगाए गए हैं। तदनुसार वित्त वर्ष 2020–21 में 5000 लाख वृक्षों और 5 लाख झाड़ियों का रोपण प्रस्तावित है।

6.2 इस वृक्षारोपण अभियान को चालू रखने के लिए और हरित भूमि कवरेज को बढ़ाने के लिए, इस वर्ष, सभी रास्तों में खुली मिट्टी की सतह/ कच्चे हिस्सों को (सभी एवेन्यू तथा लेन में हवा तथा धूल प्रदूषण को कम करने के लिए) ढकने हेतु झाड़ियों और घास के सघन वृक्षारोपण का प्रस्ताव है।

6.3 **आवासीय कॉलोनियों का सौंदर्यीकरण (न.दि.न.परिषद और सीपीडब्ल्यूडी):** न.दि.न. परिषद् कॉलोनी पार्कों का क्षेत्रफल लगभग 50 एकड़ है और अन्य 250 एकड़ जमीन सीपीडब्ल्यूडी कॉलोनी पार्कों की है। यह वित्त वर्ष 2020–21 में न.दि.न. परिषद् कॉलोनी पार्कों के 50 एकड़ क्षेत्र और सीपीडब्ल्यूडी कॉलोनी पार्कों के 50 एकड़ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने का प्रस्ताव है। इसे वहाँ जहां खुली मिट्टी की सतह के क्षेत्र में पार्क, मार्ग के किनारे वृक्ष के बेसिन के साथ फुटपाथ आदि मौजूद हैं क्योंकि कॉलोनियों के क्षेत्र ज्यादातर छायादार हैं, शेड्स, झाड़ियों और ग्राउंड कवर के लिए छायादार लविंग प्लांट लगाए जाएंगे।

6.4 **ग्रीन वेस्ट मैनेजमेंटः** न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में ग्रीन वेस्ट मैनेजमेंट को बायबैक व्यवस्था पर पीपीपी मॉडल के माध्यम से प्रस्तावित किया गया था। लगभग प्रति

दिन 20 मीट्रिक टन हरे कचरे को संसाधित किया जाएगा और बागवानी उद्देश्यों के लिए खाद में परिवर्तित किया जाएगा। इससे न.दि.न.परिषद् क्षेत्र से कचरे को डंपिंग साइट तक ले जाने से होने वाली कार्बन फुटप्रिंट में कमी आएगी। परियोजना को वित्त वर्ष 2020–21 में आगे ले जाने का प्रस्ताव है।

6.5 **ट्री वॉशिंगः** दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सिविक एजेंसियों के लिए एयर और डस्ट प्रदूषण, एक बड़ी चुनौती है और उसे कम करने के लिए न.दि.न. परिषद् ने ट्री वॉशिंग शुरू किया है। यह प्रस्तावित है कि भविष्य में भी इसे जारी रखा जाएगा।

6.6 **वृक्षों की छंटाईः** इस उद्देश्य के लिए तैयार किए गए विस्तृत कैलेण्डर के आधार पर ट्रैफिक/रोड लाइट/साइनेज इत्यादि की दृश्यता बढ़ाने तथा अंधेरों पर विचार करते हुए वित्तीय वर्ष 2020–21 में सड़क के किनारे तथा लेन एवं कालोनियों में नियमित रूप से पेड़ों की छंटाई किया जाना प्रस्तावित है जिसमें पैदल चलने वालों को इसके लिए बाधा और जोखिम मुक्त खुली जगह मिलती है।

6.7 **थीम गार्डनः** न.दि.न.परिषद् हमेशा नए विचार लाती है, जिन्हें अन्य संगठनों द्वारा भी अपनाया जाता है। चिन्हित पार्कों में थीम गार्डन जैसे हर्बल गार्डन बैम्बू पार्क और मेडिसिनल पार्क आदि विकसित करना प्रस्तावित है। इसके अलावा, टापयरी गार्डन, कैक्टस तथा सक्कूलैन्ट्स गार्डन, फ्रेगरेन्स गार्डन, ब्रिली गार्डन आदि को भी वित्त वर्ष 2020–21 में विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

6.8 **स्मार्ट सिंचाई प्रणाली** न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के प्रमुख उद्यानों में स्मार्ट चरणबद्ध तरीके से सिंचाई प्रणाली का प्रस्ताव है और नेहरू पार्क, लोदी गार्डन को वर्ष 2020–21 में लिया जाएगा। सिस्टम समय पर सिंचाई सुनिश्चित करेगा और सेंसर आधारित निगरानी के माध्यम से पानी की बर्बादी को रोकेगा।

6.9 **न.दि.न.परिषद् स्कूल ऑफ गार्डनिंग** भारत में अद्वितीय में से एक है, जिसे पुराना किला रोड नर्सरी में स्थापित किया गया था। यह स्कूल दि.वि.प्रा./दिल्ली पुलिस एमसीडी और अन्य संगठनों से मालियों के साथ–साथ विभागीय स्टाफ को बागवानी/भू–दृश्यावली/नर्सरी/ट्री सर्जरी/प्लांट प्रोटेक्शन / किचन गार्डन / बोन्साई / फूलों की व्यवस्था / खाद आदि के क्षेत्र में कौशल उन्मुख प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से संचालित है। स्कूल आम जनता के लिए भी कार्यक्रम कर सकता है। स्किल इंडिया पहल के तहत, शहरी बागवानी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि वर्टिकल गार्डन, नर्सरी प्रबंधन, हरे अपशिष्ट प्रबंधन, भू–दृश्यावली, पुष्प डिजाइन, बोर्ड, ट्री प्रबन्धन इत्यादि में वित्तीय वर्ष 2020–21 से विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए भारतीय कृषि परिषद की स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात् स्कूल सर्टिफिकेट कोर्स (ओं) भी आरम्भ करेंगे।

6.10 **आधुनिक मशीनरी का क्रयः** बागवानी प्रक्रियाओं को कुशल बनाने के लिए नवीनतम मशीनरी और उपकरणों को पर्यावरण के अनुकूल उपकरणों की विधिवत रूप से वृद्धि करना आवश्यक है। न.दि.न.परिषद् ग्रीन के प्रभावी रखरखाव के लिए, बैटरी ऑपरेटेड ब्रश कटर, हेज ट्रिमर, ब्लोअर, डिगिंग मशीन, राइड ऑन लॉन घास काटने की मशीन, श्रेडर और क्रशिंग मशीन आदि जैसी मशीनरी को वित्त वर्ष 2020–21 में खरीदे जाने का प्रस्ताव है। यह आवश्यक क्षमता की मांग को पूरा करेगा।

6.11 **पालिका गार्डन केंद्रः** न.दि.न.परिषद् के साथ–साथ दिल्ली में इसे आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से अधिक से अधिक हरा, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्राप्त करने के लिए जनसाधारण के लिए अपने घर, बालकनी और पिछवाड़े आदि में बागवानी के लिए नाममात्र की कीमतों पर बगीचे के इनपुट की आसान उपलब्धता की सुविधा के लिए पालिका गार्डन सेन्टर आरम्भ करने का प्रस्ताव है,

आगामी वर्ष में, न.दि.न.परिषद् उद्यान विभाग पर रुपये 135.55 करोड़ की राशि व्यय करने का प्रस्ताव करती है जिसमें से रु० 5.72 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए हैं।

7. वित्तीय स्थिति, कर्मचारी कल्याण और अन्य पहल

7.1 न.दि.न.परिषद् की क्रेडिट रेटिंग

न.दि.न.परिषद् वर्ष 2017–18 में "AA+" की क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने वाली भारत में बहुत कम नगरपालिकाओं में से एक थी, और आज तक उसी रेटिंग को बनाए रखा है। न.दि.न.परिषद् आगामी वर्षों में अपनी क्रेडिट रेटिंग बढ़ाती रहेगी।

7.2 अनटाइड निधि

मैं न.दि.न.परिषद् क्षेत्र के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस (आरडब्ल्यूए) और मार्केट ट्रेड एसोसिएशंस (एमटीए) के लिए अप्रयुक्त निधि (अनटाइड निधि) उपलब्ध कराने का प्रस्ताव करता हूँ। इस प्रयोजन के लिए, मैं आरडब्ल्यूए/एमटीए द्वारा स्थानीय कार्रवाई के लिए स्थानीय पहल और लचीलेपन के लिए विस्तार करने के उद्देश्य से वर्ष 2020–21 में रु० 10.00 करोड़ को अलग रखने का प्रस्ताव करता हूँ।

7.3 क्लस्टर सुधारः

7.3.1 डीआईडी कैंप, बी आर कैंप, अर्जुन दास कैंप, अनंत राम डेयरी, शंकर कैंप, संजय कैंप जैसे जेजे क्लस्टर्स में मरम्मत/रखरखाव का काम पूर्ण हो चुका है।

7.3.2 आगे इंटरलॉकिंग पेवर्स / आरएमसी और प्रीकास्ट स्लैब के माध्यम से जल निकासी और पैदल मार्ग के सुधार कार्य प्रगति पर हैं।

7.3.3 आरसीसी पाईपों/प्रीकास्ट स्लैब के माध्यम से नालियों में सुधार किया जा रहा है और पर्यावरण में सुधार तथा क्लस्टर्स/झुग्गियों में अधिक स्वच्छतापूर्ण स्थितियाँ बनाने के लिए जेजे क्लस्टर्स जैसे डीआईडी कैम्प तथा मस्जिद कैम्प में इन्टरलॉकिंग पटरियों के माध्यम से पैदलपथ बिछाये जा रहे हैं।

7.3.4 न.दि.न.परिषद् ने गैर–अधिसूचित क्षेत्र तथा विशिष्ट नगरपालिका के पतों के बिना अन्ध विद्यालय के निवासियों सहित अलग–अलग स्थानों में जे.जे. क्लस्टर्स में रहने वाले निवासियों को स्थायी विद्युत कनेक्शन प्रदान करने का भी प्रस्ताव किया है इसमें ऐसे निवासियों की लम्बे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करने की आशा है।

7.4 अन्य पहलः

7.4.1 रिज़लियन्ट (लचीला) शहर–आपदा प्रबंधन

भौतिक बुनियादी ढांचे और सामाजिक–आर्थिक प्रक्रियाओं के संदर्भ में आधुनिक शहर लगातार कम्पलैक्स बनते जा रहे हैं। लचीलापन प्राप्त करने के लिए अर्थात् सभी प्रकृति के झटके झेलने की क्षमता, आपदा प्रबंधन के साथ प्रयास शुरू करना होगा। जबकि केंद्र और राज्य सरकारें इस उद्देश्य के लिए विस्तृत दिशानिर्देशों के साथ सामने आई हैं, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि न.दि.न.परिषद् अपनी आपदा तैयारियों की समीक्षा कर सकती है और व्यापक कार्यान्वयन योजना के साथ आ सकती है और जब भी आवश्यक हो अनिवार्य बुनियादी ढाँचे सहित आवश्यक मीटिगेशन क्रियाविधि का सृजन कर सकती है और तदनुसार वित्तीय वर्ष 2020–21 में 10.00 करोड़ रुपये का आवंटन करती है।

7.4.2 **सांस्कृतिक विरासतः** दिल्ली की अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत है और सदियों से भोजन इसमें एक अंर्तनिहित सामग्री है। दिल्ली का स्ट्रीट फूड को अन्तरराष्ट्रीय रूप से प्रशंसित किया जाता है। मैं अपने नागरिक और चलायमान जनसंख्या विशेष रूप से पर्यटकों को लाभ पहुंचाने के लिए न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में इसका स्वाद उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखता हूँ। तद्नुसार, मैं न.दि.न.परिषद् क्षेत्र में ऐसे हॉट–स्पॉट स्थापित करने का प्रस्ताव करता हूँ जहाँ इस उद्देश्य के लिए अनुकूलित क्योस्को के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण में स्ट्रीट फूड साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उपलब्ध कराये जाएंगे।

7.4.3 **निवारक स्वास्थ्य जांचः** न.दि.न.परिषद् ने अब तक अपने सभी सफाई सेवकों के निदान और उपचार की वार्षिक स्वास्थ्य जांच की है। मैं वित्त वर्ष 2020–21 के इस वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम के तहत 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी न. दि.न.परिषद् कर्मचारियों को कवर करने का प्रस्ताव करता हूँ।

7.5 व्यापार में आसानी सुनिश्चित करने के लिए, न.दि.न.परिषद् ने फ़िल्टर्ड पानी और सीवर कनेक्शन की स्वीकृति के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता को सरल बनाया है।

7.6 पेंशन फंड

पेंशन फंड विनियम तैयारी के अधीन हैं और भारत सरकार के अनुमोदन के बाद निकट भविष्य में अधिसूचित होने की संभावना है। वर्ष 2018–19 के अनुसार, न. दि.न.परिषद् के पास इस उद्देश्य के लिए रु० 1000 करोड़ का कोष है और मार्च, 2020 तक इस कोष में 400.00 करोड़ रुपये जुड जाएंगे। वर्ष 2020–21 के दौरान प्रस्तावित पेंशन फंड के कोष में स्थानांतरण के लिए रु० 450 करोड़ का प्रावधान किया गया है। ।

8. प्राप्तियाँ

8.1 विद्युत वितरण से प्राप्तियाँ

विद्युत वितरण से कुल राजस्व प्राप्तियों में संशोधित अनुमान 2019–20 में रु० 1411.40 करोड़ का अनुमान है जबकि वर्ष 2018–19 में रु० 1335.76 करोड़ वास्तविक है वर्ष 2020–21 के लिए बजट अनुमान रु० 1445.10 करोड़ है।

8.2 संपत्ति कर से प्राप्तियाँ

हम वर्ष 2019–20 में 700 करोड़ रुपये का संपत्ति कर संग्रहण करने की आशा कर रहे हैं। वर्ष 2020–21 में, हमने रु० 720 करोड़ एकत्र करने की योजना बनाई हैं। मैं वर्ष 2020–21 के लिए संपत्ति कर दरों में किसी भी वृद्धि का प्रस्ताव नहीं करता हूँ।

8.3 नगरपालिका संपत्तियों से लाइसेंस शुल्क से प्राप्तियाँ

नगरपालिका की संपत्तियों से लाइसेंस शुल्क के लिए 2018–19 में वास्तविक प्राप्तियां रु० 485.40 करोड़ थीं। संशोधित अनुमान 2019–20 के लिए अनुमान रु० 599.59 करोड़ और बजट अनुमान 2020–21 में रु० 639.94 करोड़ हैं।

मैं माननीय मुख्यमंत्री, संसद के माननीय सदस्य, माननीय विधायक और परिषद के अन्य सदस्यों को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद करना चाहूँगा।

मैं दिल्ली के माननीय, उप–राज्यपाल, गृह मंत्रालय तथा आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त मार्गदर्शन और समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहूँगा।

मैं न.दि.न.परिषद् के अपने सभी सहयोगियों और कर्मचारियों विशेष रूप से सफाई सेवकों, मालियों, बेलदारों और लाइनमैनों को नई दिल्ली क्षेत्र को स्वच्छ, हरित और आशावान शहर बनाने के लिए अपनी अथक सेवाओं के लिए धन्यवाद करूँगा।

आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द।